■ वैशाख कृष्ण - 2 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 267 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 25-04-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 विपक्षी दलों का गठबंधन परिवारवाद को बढ़ावा देने वाले घोटालेबाजों का गठबंधन है : नड्डा

6 रसोई तक पहुंचा मिलावट का जहर

7 साफ सुथरे व्यक्ति नहीं थे अमरसिंह चमकीला : इम्तियाज अली

फर्स्ट टेक

चुनाव रैली में भाषण के दौरान बेहोश हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी

यवतमाल/भाषा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी बुधवार को पूर्वी महाराष्ट्र के यवतमाल जिले में एक चुनावी रैली में भाषण के दौरान बेहोश हो गए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता गडकरी पुसाद में चुनाव प्रचार कर रहे थे, जो यवतमाल-वाशिम लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। गडकरी जैसे ही बेहोश हुए उनके साथ मौजूद सुरक्षाकर्मी उन्हें मंच से बाहर ले गए। हालांकि, केंद्रीय मंत्री कुछ मिनट बाद ठीक हो गए और उन्होंने अपना भाषण पूरा किया। गडकरी (66) ने 'एक्स' पर इस घटना की जानकारी देते हुए एक पोस्ट में कहा, महाराष्ट्र के पुसाद में एक चुनावी रैली में गर्मी के कारण बेचैनी महसूस हुई। लेकिन, अब मैं पूरी तरह ठीक हूं और अगली रैली में हिस्सा लेने के लिए वरुड जा रहा हूं।

चीन तीन अंतरिक्ष यात्रियों को तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन पर भेजेगा

जिउक्वान उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र (जिउक्वान, चीन)/एपी। चीन की अंतरिक्ष एजेंसी अपने महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष कार्यक्रम के तहत बृहस्पतिवार को अंतरिक्ष यान 'शेनझोउ-18' को अंतरिक्ष यात्रियों के साथ पृथ्वी की निचली कक्षा में भेजने की अंतिम तैयारी कर रही है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य 2030 तक लोगों को चंद्रमा पर भेजना है। चाइना मैन्ड स्पेस एजेंसी (सीएमएसए) के उप निदेशक लिन जिकियांग ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि तीन अंतरिक्ष यात्रियों ये गुआंगफू (43), ली कांग (34) और ली गुआंगसु (36) इस मिशन का हिस्सा हैं और ये पहली बार अंतरिक्ष में जाएंगे।

कलेसर वन्यजीव अभयारण्य के अंदर 4 बांधों के निर्माण पर लगी रोक

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने हरियाणा के यमुनानगर जिले में स्थित कलेसर वन्यजीव अभयारण्य के अंदर चार प्रस्तावित बांधों के निर्माण पर बुधवार को रोक लगा दी। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने केंद्र, हरियाणा सरकार और अन्य को नोटिस जारी कर जवाब भी मांगा। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि बांधों का निर्माण न केवल कलेसर में वन्यजीवों और आबादी के लिए हानिकारक होगा, बल्कि पारिस्थितिकी तंत्र के लिए भी नुकसानदेह होगा और जिस उद्देश्य के लिए बांधों का निर्माण प्रस्तावित है, वह भी हासिल नहीं किया जा सकेगा। पीठ ने नोटिस जारी करते हुए निर्देश दिया कि बांधों के निर्माण की दिशा में तब तक कोई कदम नहीं उठाया जाए जब तक कि इस अदालत द्वारा कोई आदेश नहीं पारित किया जाता है।

25-04-2024 सूर्यास्त 6:01 बजे | 26-04-2024 सूर्योदय 6:33 बजे

BSE	NSE
73,738.45 (+89.84)	22,368.00 (+31.60)

सोना	चांदी
7,644 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	86,016 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

ऐसा हो नेता

धर्म जाति अगड़ा-पिछड़ा,
अब उच्च दलित में बँटा वोट।
क्या यही स्वप्न था भारत का,
देखें हम जिसमें सदा खोट।
अपनी सत्ता के हित साधक,
चल रहे शकुनि बन कुटिल गोट।
ऐसा हो अपना नेता जो,
समदर्शी बन कर सके चोट।।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'विरासत कर' पर कांग्रेस को घेरा

लोगों की संपत्ति छीनना चाहती है कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/अंबिकापुर/भाषा। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान से ठीक पहले 'इंडियन ओवरसीज कांग्रेस' के प्रमुख सैम पित्रोदा की 'विरासत कर' संबंधी टिप्पणी को लेकर बुधवार को सियासी बवंडर खड़ा हो गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि वह लोगों की संपत्ति छीनना चाहती है और उसका मंत्र है- 'कांग्रेस की लूट जिंदगी के साथ भी, जिंदगी के बाद भी'।

पित्रोदा के बयान से कांग्रेस ने दूरी बना ली

कांग्रेस ने पित्रोदा के बयान से तत्काल दूरी बना ली और इसे उनकी व्यक्तिगत राय करार दिया। उसने पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली, पूर्व वित्त राज्य मंत्री जयंत सिन्हा और भाजपा के सोशल मीडिया प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय की पूर्व की कुछ टिप्पणियों का हवाला देते हुए यह दावा भी किया कि 'विरासत कर' लागू करने का विचार असल में भाजपा का है।

पित्रोदा ने अमेरिका के 'विरासत कर' वाली व्यवस्था का उल्लेख किया

पित्रोदा ने अमेरिका के 'विरासत कर' वाली व्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा है, ''अमेरिका में विरासत कर लगता है। अगर किसी के पास 10 करोड़ डॉलर की संपत्ति है और जब उसकी मृत्यु हो जाती है तो इसमें से केवल 45 फीसदी उसके बच्चों को मिल सकता है। शेष 55 प्रतिशत संपत्ति सरकार के पास चली जाती है।'' उन्होंने आगे कहा, '' भारत में ऐसा कानून नहीं है। अगर किसी की संपत्ति 10 अरब रुपये है और उसकी मृत्यु हो जाती है, तो उसके बच्चों को 10 अरब रुपये मिलते हैं और जनता को कुछ नहीं मिलता...लोगों को इस तरह के मुद्दों पर चर्चा करनी होगी। मुझे नहीं पता कि अंत में निष्कर्ष क्या होगा, लेकिन जब हम धन के पुनर्वितरण के बारे में बात करते हैं, तो हम नई नीतियों और नए कार्यक्रमों के बारे में बात कर रहे हैं जो लोगों के हित में हैं, न कि केवल अति-अमीरों के हित में हैं।''

प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर तीखे वार किए

प्रधानमंत्री मोदी ने पित्रोदा के बयान को लेकर छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर की चुनावी सभा में कांग्रेस पर तीखे वार किए। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस की नजर सिर्फ आपके आरक्षण पर नहीं, बल्कि आपकी कमाई, आपके मकान, दुकान और खेत-खलिहान पर भी है। कांग्रेस के 'शहजादा' (राहुल गांधी की ओर इशारा) कहते हैं कि वे हर संपत्ति का एक्स-रे कराएंगे। घर और देश के हर परिवार से कांग्रेस ये सब छीन लेगी। वे कहते हैं कि हम इन्हें समान रूप से वितरित करेंगे। क्या आप जानते हैं कि वे आपसे इसे लूटने के बाद किसे वितरित करेंगे?'' उन्होंने कहा, ''मुझे आपको यह बताने की जरूरत नहीं है कि वे किसे वितरित करेंगे।

मोदी ने कहा कि कांग्रेस के 'खतरनाक इरादे' एक-एक करके सामने आ रहे हैं और अब वह कहती है कि वह विरासत कर लगाएगी। मोदी ने कहा, वे (कांग्रेस) आपकी संपत्ति और आपके बच्चों के अधिकार छीनना चाहते हैं। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, ''कांग्रेस का मंत्र है- कांग्रेस की लूट जिंदगी के साथ भी, जिंदगी के बाद भी।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास सत्ता के लालच में देश को बर्बाद करने का रहा है।

प्रधानमंत्री और भाजपा के तीखे प्रहार के बीच कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पित्रोदा के बयान को उनकी व्यक्तिगत राय करार दिया।

मोदी ने भोपाल में रोड शो किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार शाम को भोपाल में एक किलोमीटर लंबे रोड शो का नेतृत्व किया और रास्ते में उत्साही समर्थकों का अभिवादन किया। फूलों से सजे रथ की तरह बने भगवा रंग के वाहन पर खड़े होकर मोदी ने भाजपा का चुनाव चिह्न 'कमल' थाम रखा था। इस दौरान, कई लोगों ने ''अबकी बार 400 पार'' की तख्तियां दिखाईं। रोड शो मालवीय नगर तिराहा से शुरू होकर मेजर नानके पेट्रोल पंप पर समाप्त हुआ। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा और भोपाल से भाजपा उम्मीदवार आलोक शर्मा प्रधानमंत्री के साथ वाहन पर थे। मोदी के स्वागत के लिए विभिन्न सामाजिक समूहों द्वारा रोड शो के मार्ग पर अलग-अलग मंच बनाए गए थे। रोड शो के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किये गये। भोपाल लोकसभा क्षेत्र में विदिशा, राजगढ़, बैतूल, सागर, गुना, मुरैना, ग्वालियर और भिंड (एससी) निर्वाचन क्षेत्रों के साथ सात मई को तीसरे चरण में मतदान होगा।

हम पृथ्वी के संसाधनों के 'ओनर नहीं बल्कि ट्रस्टी' हैं : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि हम पृथ्वी के संसाधनों के 'ओनर नहीं बल्कि ट्रस्टी' है और इसलिए हमारी प्राथमिकताएं मानव केंद्रित होने के साथ-साथ प्रकृति केंद्रित भी होनी चाहिए।

राष्ट्रपति ने यहां इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी में भारतीय वन सेवा के व्यवसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के दीक्षांत समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कहा कि आज हम 'एंथ्रोपोजेनिक एज' की बात करते हैं जो मानव केंद्रित विकास का कालखंड है। उन्होंने कहा कि इस कालखंड में विकास का विनाशकारी परिणाम भी सामने आया है और संसाधनों के अत्यधिक दोहन ने मानवता को ऐसे मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है, जहां विकास के मानकों को पुनर्मूल्यांकन करना पड़ेगा।

मुर्मू ने कहा, आज यह समझना जरूरी है कि हम पृथ्वी के संसाधनों के ओनर नहीं है बल्कि ट्रस्टी हैं। हमारी प्राथमिकताएं मानव केंद्रित होने के साथ ही प्रकृति केंद्रित भी होनी चाहिए। वस्तुत: प्रकृति-केंद्रित होकर ही हम सही अर्थों में मानव केंद्रित हो सकेंगे। उन्होंने विश्व समुदाय के सामने खड़ी जलवायु परिवर्तन की गंभीर चुनौती का भी जिक्र किया और कार्यक्रम में मौजूद वन अकादमी के विशेषज्ञों से प्रशिक्षण कार्यक्रम में इस बारे में जरूरी बदलाव करने को कहा।

राष्ट्रपति ने कहा, मैं उनसे (अकादमी के विशेषज्ञों) अनुरोध करूंगी कि जलवायु की इस आपातकालीन स्थिति को देखते हुए प्रशिक्षण के पाठ्यक्रम में यथोचित संशोधन करने पर विचार करें।

संजय राउत के कथित सहयोगी की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को कहा कि उसने मुंबई के पात्रा चॉल के पुनर्विकास में कथित अनियमितताओं से जुड़ी धनशोधन जांच के सिलसिले में शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत के ''करीबी सहयोगी'' प्रवीण राउत और अन्य की 73 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की जमीन कुर्क की है। ईडी ने कहा कि प्रवीण और अन्य लोगों की अचल संपत्तियां पालघर, दापोली, रायगढ़ और ठाणे में तथा उसके आसपास स्थित हैं और इन्हें कुर्क करने के लिए धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक अनंतिम आदेश जारी किया गया है। संपत्तियों का कुल मूल्य 73.62 करोड़ रुपए है। प्रवर्तन निदेशालय ने इस मामले में संजय राउत और प्रवीण राउत दोनों को गिरफ्तार किया था और फिलहाल दोनों जमानत पर बाहर हैं। धनशोधन का मामला मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की प्राथमिकी से उपजा है।

अमिताभ बच्चन को मिला लता दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई /भाषा। अभिनेता अमिताभ बच्चन को बुधवार को लता दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पांच मंगेशकर भाई-बहनों में सबसे बड़ी लता की 2022 में मृत्यु हो जाने के बाद परिवार और ट्रस्ट ने सुर सम्राज्ञी की याद में पुरस्कार की स्थापना की थी। बच्चन (81) को यह सम्मान 24 अप्रैल को रंगमंच-संगीत के दिग्गज और मंगेशकर भाई-बहनों के पिता दीनानाथ मंगेशकर के स्मृति दिवस पर मिला।

'जंजीर', 'दीवार', 'शोले', 'चुपके-चुपके', 'मोहब्बतें', और 'पीकू' जैसी फिल्मों में उत्कृष्ट अभिनय से किरदार में जान डाल देने वाले अभिनेता ने कहा कि वह आज यह पुरस्कार पाकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं।

पुरस्कार ग्रहण करते हुए अपने संबोधन में उन्होंने कहा, मैंने कभी खुद को इस तरह के पुरस्कार के लायक नहीं समझा, लेकिन हृदयनाथ (मंगेशकर) जी ने बहुत कोशिश की कि मैं यहां आऊं। पिछले साल उन्होंने मुझे इस समारोह के लिए आमंत्रित भी किया था। उन्होंने कहा, हृदयनाथ जी, मैं आपसे पिछली बार के लिए माफी मांगता हूं। मैंने तब आपको बताया था कि मैं अस्वस्थ हूं। मैं स्वस्थ था लेकिन यहां आना नहीं चाहता था। इस साल मेरे पास कोई बहाना नहीं था, इसलिए मुझे यहां आना पड़ा।

मंगेशकर भाई-बहनों में तीसरे नंबर की गायिका उषा मंगेशकर ने बच्चन को पुरस्कार प्रदान किया। पहले, मंगेशकर की दूसरी बहन और प्रसिद्ध गायिका आशा भोसले को पुरस्कार प्रदान करना था लेकिन वह अस्वस्थ होने के कारण कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सकीं।

फोरेंसिक जांच में नहीं मिले मुख्तार को जहर दिये जाने के सुबूत

लखनऊ/भाषा। बाहुबली पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी को जेल में जहर देकर मारे जाने के परिजनों के आरोपों के बीच अंसारी के विसरा की फोरेंसिक जांच रिपोर्ट के मुताबिक उसे विष दिये जाने का कोई सुबूत नहीं मिला है। विभिन्न मामलों में सजायाफ्ता मुख्तार की बांदा जेल में गत 28 मार्च को संदिग्ध हालात में मौत हो गयी थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बताया गया था कि उसकी मौत दिल का दौरा पड़ने के कारण हुई है, मगर उसके भाई और गाजीपुर से सांसद अफजाल अंसारी ने जेल में अपने भाई को धीमा जहर दिये जाने का आरोप लगाया था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को बताया, ''हमें मुख्तार अंसारी के विसरा की विधि विज्ञान प्रयोगशाला में की गयी जांच की रिपोर्ट मिल गयी है। इसमें पुष्टि की गई है कि विसरा में जहर का कोई संकेत नहीं मिला है। इसे बांदा के अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के नेतृत्व वाले जांच समिति को दे दिया गया है।'' विसरा शरीर के आंतरिक अंगों जैसे यकृत, प्लीहा, पेट और मूत्राशय का एक नमूना होता है। मुख्तार के भाई अफजाल अंसारी ने मंगलवार को सामने आई रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें पोस्टमॉर्टम और विसरा रिपोर्ट पर भरोसा नहीं है। अंसारी ने गाजीपुर में कहा, ''विसरा में नाखून और बाल को संज्ञान में नहीं लिया गया है जिनसे जहर दिये जाने की बात साबित हो सकती थी।

मोदी डरे हुए हैं, जानते हैं कि चुनाव उनके हाथ से फिसल रहा है : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सोलापुर (महाराष्ट्र)/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी डरे हुए हैं और जानते हैं कि मौजूदा आम चुनाव उनके हाथ से फिसल रहा है।

गांधी यहां सोलापुर से कांग्रेस उम्मीदवार प्रणीति शिंदे और उसकी गठबंधन सहयोगी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के धैर्यशील मोहिते पाटिल के समर्थन में एक चुनावी रैली में बोल रहे थे। पाटिल पड़ोसी माधा लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, न्याय होना ही चाहिए। मोदी ने भारत को अन्याय की राजधानी बना दिया है। वह डरे हुए हैं क्योंकि उन्हें पता है कि चुनाव उनके हाथ से फिसल रहा है। उन्हें पता है कि चुनावी बॉण्ड मामले के कारण चुनाव के बाद उन्हें परेशानी होगी। यही कारण है कि वह लगातार झूठ बोल रहे हैं, लेकिन इस बार वह बच नहीं पाएंगे। उन्होंने कहा कि लोगों को एहसास हो गया है कि उन्हें लोकतंत्र और संविधान की रक्षा करनी है और प्रधानमंत्री इस बात से अवगत हैं।

गांधी ने यह भी दावा किया कि मोदी अरबपतियों के नेता हैं, गरीबों के नहीं।

कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री कहते हैं कि वह अन्य पिछड़ा वर्ग से हैं, लेकिन जब कांग्रेस ने जातिगत जनगणना की मांग की, तो उन्होंने कहना शुरू कर दिया कि भारत में कोई जाति नहीं है, तथा केवल अमीर और गरीब हैं।

गांधी ने पूछा, अगर ऐसा है तो वह खुद को ओबीसी क्यों कहते हैं। उन्होंने कहा कि 2024 का लोकसभा चुनाव कोई पहले जैसा चुनाव नहीं है और दावा किया कि भाजपा संविधान को खत्म करना चाहती है। कांग्रेस नेता ने कहा, इसका (भाजपा का) उद्देश्य सिर्फ चुनाव जीतना नहीं है, बल्कि संविधान को नष्ट करना है। 'इंडिया' गठबंधन हमारे लोकतंत्र को बचाएगा और संविधान की रक्षा करेगा।

हरियाणा के गांव में खुदाई में 400 साल पुरानी मूर्तियां मिलीं

गुरुग्राम/भाषा। हरियाणा में मानेसर के निकट बाघनकी गांव में निर्माण परियोजना के लिए खुदाई के दौरान करीब चार सौ साल पुरानी धातु की तीन मूर्तियां मिली हैं। पुलिस ने बुधवार को बताया कि प्राचीन मूर्तियों को कब्जे में ले लिया गया है और मालिक को निर्माण कार्य रोकने के लिए कहा गया है, पुरातत्व विभाग अब यह पता लगाने के लिए आगे खुदाई करेगा कि स्थल पर और मूर्तियां तो नहीं हैं। पुलिस के अनुसार जेसीबी मशीन से एक नए घर की नींव खोदे जाने के दौरान मूर्तियां मिलीं। पुलिस ने बताया कि शुरू में, भूखंड मालिक ने वस्तुओं को छिपाने की कोशिश की और जानकारी छिपाने के लिए जेसीबी चालक को पैसे की पेशकश भी की, हालांकि चालक ने दो दिन बाद बिलासपुर पुलिस को सूचित कर दिया और पुलिस की एक टीम वहां पहुंची। उन्होंने बताया कि खुदाई में भगवान विष्णु, देवी लक्ष्मी की एक-एक मूर्ति और देवी लक्ष्मी व भगवान विष्णु की एक संयुक्त मूर्ति बरामद हुई। बिलासपुर पुलिस ने मूर्तियां पुरातत्व विभाग के उप निदेशक बी. भट्टाचार्य और डॉ. कुश ढेबर को सौंप दीं। पुलिस के अनुसार, ग्रामीण चाहते थे कि मूर्तियां पंचायत को सौंप दी जाएं क्योंकि वे भूखंड पर एक मंदिर बनाना चाहते हैं। हालांकि, पुरातत्व विभाग के अधिकारियों ने उनकी मांग खारिज कर दी।

कश्मीर मुद्दा 'शांतिपूर्ण तरीकों' से हल किया जाना चाहिए : पाक-ईरान संयुक्त बयान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान और ईरान इस बात पर सहमत हुए हैं कि कश्मीर मुद्दे का क्षेत्र के लोगों की इच्छा के आधार पर शांतिपूर्ण तरीकों से हल किया जाना चाहिए। ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की पहली पाकिस्तान यात्रा के बाद दोनों देशों द्वारा बुधवार को जारी एक संयुक्त बयान में यह जानकारी दी गई है। राष्ट्रपति रईसी ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के निमंत्रण पर 22-24 अप्रैल तक पाकिस्तान की आधिकारिक यात्रा की। उनके साथ एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया था।

राष्ट्रपति की पाकिस्तान यात्रा के समापन पर संयुक्त बयान जारी किया गया। इसमें कहा गया है कि क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर घटनाक्रमों को ध्यान में रखते हुए, दोनों पक्षों ने साझा चुनौतियों का पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान खोजने के लिए बातचीत और कूटनीति के माध्यम से विवादों के शांतिपूर्ण समाधान पर जोर दिया।

बयान में कहा गया है, दोनों पक्षों ने उस क्षेत्र के लोगों की इच्छा के आधार पर और अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार बातचीत एवं शांतिपूर्ण तरीकों से कश्मीर मुद्दे को हल करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

भारत पहले भी कश्मीर मुद्दे पर अन्य देशों के ऐसे बयानों को खारिज कर चुका है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बार-बार कहा है, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख भारत के अभिन्न अंग हैं और हमेशा रहेंगे। किसी अन्य देश को इस संबंध में टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है।

केरल में कांग्रेस, वाम शासन में आतंकवाद को संरक्षण मिला : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलाप्पुझा (केरल)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने केरल में कांग्रेस और सत्तारूढ़ वाम दल पर बुधवार को जमकर निशाना साधा और उन पर राज्य में आतंकवाद को संरक्षण देने तथा लोकसभा चुनाव में जीत हासिल करने के लिए प्रतिबंधित संगठन 'पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया' (पीएफआई) का समर्थन लेने का आरोप लगाया।

शाह ने आरोप लगाया कि केरल में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा)-नीत वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और कांग्रेस-नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के शासन के दौरान वर्षों से राज्य में आतंकवाद को संरक्षण दिया गया। उन्होंने कहा कि राज्य में अल्पसंख्यक वोट-बैंक का समर्थन हासिल करने के लिए वाम दल और कांग्रेस दोनों ने पीएफआई का समर्थन किया।

शाह ने आरोप लगाया कि पीएफआई की राजनीतिक शाखा 'सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया' (एसडीपीआई) ने खुलेतौर पर केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ को अपना समर्थन देने की घोषणा की, वहीं एलडीएफ पीएफआई पर प्रतिबंध पर चुप है।

शाह ने दावा किया कि कांग्रेस को जमात-ए-इस्लामी हिंद द्वारा समर्थित राजनीतिक संगठन 'वेलफेयर पार्टी ऑफ इंडिया' का भी समर्थन प्राप्त है, जबकि वामपंथियों को पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) का समर्थन प्राप्त है, जिसका नेतृत्व अब्दुल नजर महदानी करते हैं। महदानी 2008 बेंगलूरु सिलसिलेवार विस्फोट मामले में आरोपी हैं। उन्होंने अलाप्पुझा लोकसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार शोभा सुरेंद्रन के पक्ष में प्रचार किया।

शाह ने चुनावी रैली में कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश को पीएफआई जैसे संगठनों से बचाने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने 2021 में भाजपा के अन्य पिछड़ा वर्ग मोर्चा के नेता रंजीत श्रीनिवासन की उनके घर में हुई हत्या और अन्य पार्टी कार्यकर्ताओं की हत्याओं का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि ये हत्याएं पीएफआई जैसे आतंकवादी समूहों द्वारा की गईं।

शाह ने कहा कि जब तक मोदी सरकार सत्ता में है पीएफआई पर प्रतिबंध जारी रहेगा और उसे देश में कहीं से भी संचालन की अनुमति नहीं मिलेगी। उन्होंने वाम दल के घोषणापत्र में देश में सभी परमाणु हथियारों को नष्ट करने संबंधी चुनावी वादे को लेकर भी वाम दल पर हमला किया और कहा कि एलडीएफ नहीं चाहता कि भारत परमाणु शक्ति बने। उन्होंने कहा, भारत परमाणु ताकत रहेगा और इसकी राष्ट्रीय सुरक्षा से कोई खिलावाड़ नहीं होगा।

शाह ने करोड़ों रुपए के करुवन्नूर सहकारी बैंक घोटाले का जिक्र करते हुए भी वाम दल पर निशाना साधा।

पटनायक ने चुनाव अभियान की शुरुआत की, 2036 तक ओडिशा को नंबर एक राज्य बनाने का संकल्प लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हिंजिली (ओडिशा)/भाषा। बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने बुधवार को लोकसभा व विधानसभा चुनावों के लिए अपनी पार्टी के प्रचार अभियान की शुरुआत की और 2036 तक ओडिशा को देश का नंबर एक राज्य बनाने का संकल्प लिया।

पटनायक ने अपने गृह क्षेत्र हिंजिली से चुनाव प्रचार की शुरुआत करते हुए विपक्षी दलों पर निशाना साधा और उन पर राज्य के विकास कार्यों में 'बाधा' डालने का आरोप लगाया। पटनायक ने यहां एक विशाल सभा को संबोधित करते हुए कहा, विकास हमारी पहचान है। हालांकि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि विपक्षी दल इसमें बाधा डाल रहे हैं। श्रीमंदिर परिक्रमा परियोजना हो या एकाम्रा परियोजना या फिर समेली परियोजना विपक्षी दल हर चीज का राजनीतिकरण कर रहे हैं। विपक्ष विकास विरोधी प्रचार में लगा हुआ है। ओडिशा के लोग उनकी असलियत जानते हैं।

पटनायक ने कहा कि विकास का विरोध करने वाला कभी सफल नहीं हुआ। उन्होंने जनता से आने वाले 10 वर्षों को 'ओडिशा का दशक' बनाने का आह्वान किया। उन्होंने बीजद सरकार की प्रमुख विकासात्मक परियोजनाओं का जिक्र किया और 2036 तक ओडिशा को देश का नंबर एक राज्य बनाने का संकल्प लिया। बीजद अध्यक्ष ने कहा कि एक अलग राज्य के रूप में ओडिशा को 2036 में 100 साल पूरे हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि इसलिए आने वाला दशक (2024 से 2034 तक) राज्य के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इस अवधि के दौरान राज्य को सभी क्षेत्रों में नंबर एक बनने के लिए अपना आधार मजबूत करना होगा।

नवीन पटनायक ने अपनी सरकार की परिवर्तनकारी योजनाओं पर भी प्रकाश डाला और कहा कि लगभग 70 लाख महिलाएं राज्य में परिवर्तन की वाहक बनी हैं। पटनायक ने कहा, राज्य में किसानों को शून्य ब्याज दर पर ऋण मिल रहा है।

इंडस टावर्स में वोडाफोन समूह की हिस्सेदारी खरीदने के लिए बातचीत नहीं : एयरटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दूरसंचार सेवा प्रदाता भारती एयरटेल ने बुधवार को कहा कि वह इंडस टावर्स में ब्रिटिश दूरसंचार कंपनी वोडाफोन समूह की लगभग 21 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए बातचीत नहीं कर रही है।

एयरटेल ने शेयर बाजार को बताया कि उसका इंडस के वित्तीय समेकन के लिए जरूरी सीमा से अधिक हिस्सेदारी बढ़ाने की उसकी कोई मंशा नहीं है और प्रकटीकरण शर्तों का अनुपालन करना जरूरी होने पर ऐसा किया जाएगा। इंडस टावर्स में भारती एयरटेल के पास इस समय 47.95 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

एयरटेल ने कहा, हम स्पष्ट करना चाहते हैं कि इंडस टावर्स लिमिटेड में हिस्सेदारी हासिल करने के लिए भारती एयरटेल वोडाफोन समूह के साथ किसी भी तरह की बातचीत नहीं कर रही है।

एयरटेल ने उन खबरों का खंडन किया, जिनमें कहा गया था कि वह इंडस में वोडाफोन की 21.05 प्रतिशत हिस्सेदारी को खरीदना चाहती है।

इंडस टावर्स दूरसंचार उद्योग को महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा सेवाएं मुहैया कराती है और एयरटेल अपनी दूरसंचार सेवाओं के लिए इस पर काफी हद तक निर्भर है।

एयरटेल ने कहा कि वह हमेशा यह सुनिश्चित करेगी कि इंडस मजबूत और वित्तीय रूप से स्थिर रहे।

रिश्तेदार को ईडी नोटिस के बाद उद्धव ने मोदी के साथ गोपनीय बैठक क्यों की : राणे का सवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। केंद्रीय मंत्री और महाराष्ट्र की रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग संसदीय सीट से भाजपा उम्मीदवार नारायण राणे ने दावा किया है कि प्रवर्तन निदेशालय की ओर से रिश्तेदार को नोटिस मिलने के बाद शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ गोपनीय बैठक की थी।

ईडी ने 2022 में धनशोधन मामले में कथित संलिप्तता को लेकर ठाकरे के रिश्तेदार श्रीधर पाटणकर के स्वामित्व वाली श्री साईबाबा गृहनिर्मिति प्राइवेट लिमिटेड की संपत्ति कुर्क की थी, ठाकरे उस समय राज्य के मुख्यमंत्री थे। प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ ठाकरे के एक पुराने भाषण का जिक्र करते हुए राणे ने मंगलवार को कहा, उद्धव ठाकरे ने प्रधानमंत्री मोदी की तीखी आलोचना की और यहां तक कि लोगों से उन्हें सत्ता से हटाने के लिए भी कहा। फिर उन्होंने ईडी नोटिस के बाद मोदी के साथ गोपनीय बैठक क्यों की? राणे दो बार के सांसद विनायक राउत के खिलाफ मैदान में हैं, जो शिवसेना (यूबीटी) के उम्मीदवार हैं।

'नकली' शिवसेना संबंधी टिप्पणी पर ठाकरे का पलटवार : कहा, भाजपा 'बोगस' जनता पार्टी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छत्रपति संभाजीनगर/हिंगोली/भाषा। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा और उसे 'बोगस'(फर्जी) जनता पार्टी करार दिया। इससे पहले भाजपा ने उनकी पार्टी को (नकली) शिवसेना बताया था।

मराठवाड़ा क्षेत्र में महा विकास आघाडी (एमवीए) उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार करते हुए ठाकरे ने पूर्व कांग्रेस नेता अशोक चव्हाण के भाजपा में शामिल होने का जिक्र किया। ठाकरे ने भाजपा पर निशाना साधने के लिए आदर्श हाउसिंग सोसाइटी घोटाला का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि अशोक चव्हाण को पार्टी में शामिल करके सत्तारूढ़ पार्टी भी अब करोड़ों रुपए के आदर्श हाउसिंग सोसाइटी घोटाले का हिस्सा बन गई है। हिंगोली में शिव सेना (यूबीटी) उम्मीदवार नागेश अष्टिकर के पक्ष में एक रैली को संबोधित करते हुए ठाकरे ने कहा कि 'चोरों' (विद्रोह करने वाले शिवसेना विधायकों के संदर्भ में) ने मूल शिवसेना को चुरा लिया, लेकिन वह तब तक चुप नहीं रहेंगे जब तक कि हिसाब बराबर नहीं हो जाए। ठाकरे ने कहा, (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी कहते हैं कि हमारी शिवसेना नकली शिवसेना है। मोदी नहीं जानते कि भाजपा बोगस जनता पार्टी बन गई है। पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे ने कहा कि अगर उनके खिलाफ कोई 'विश्वासघात' नहीं हुआ होता तो वह संभवत: पांच साल बाद किसानों का ऋण माफ कर देते। उन्होंने भाजपा को महाराष्ट्र विरोधी भी करार दिया।

एलआईसी ने उसके ब्रांड नाम, प्रतीक चिन्ह वाले भ्रामक विज्ञापनों को लेकर किया आगाह

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने वरिष्ठ अधिकारियों की तस्वीर, कंपनी के ब्रांड नाम तथा प्रतीक चिन्ह का दुरुपयोग करके सोशल मीडिया मंचों पर धोखाधड़ी वाले विज्ञापन देने में शामिल कुछ लोगों/संस्थाओं के खिलाफ लोगों को बुधवार को आगाह किया।

एलआईसी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने पॉलिसीधारकों और जनता से सावधानी बरतने और ऐसी हर चीज की प्रामाणिकता की जांच करने को कहा है।

निगम ने सार्वजनिक नोटिस में कहा, यह हमारे संज्ञान में आया है कि कुछ लोग और संस्थाएं हमारी सहमति के बिना हमारे वरिष्ठ अधिकारियों या पूर्व अधिकारियों की तस्वीर, हमारे ब्रांड नाम तथा प्रतीक चिन्ह का दुरुपयोग करके विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर धोखाधड़ी वाले विज्ञापन दे रहे हैं। हम ऐसी भ्रामक गतिविधियों को लेकर जनता को सचेत करना चाहते हैं।

भारत का औषधि निर्यात 2023-24 में 10 प्रतिशत बढ़कर 27.9 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली/भाषा। देश का औषधि निर्यात वित्त वर्ष 2023-24 में सालाना आधार पर 9.67 प्रतिशत बढ़कर 27.9 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। इससे पूर्व वित्त वर्ष 2022-23 में निर्यात 25.4 अरब डॉलर था। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, मार्च माह में दवा निर्यात 12.73 प्रतिशत बढ़कर 2.8 अरब डॉलर हो गया।

वित्त वर्ष 2023-24 में इस क्षेत्र के लिए शीर्ष पांच निर्यात बाजार अमेरिका, ब्रिटेन, नीदरलैंड, ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील थे। भारत के कुल औषधि निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी 31 प्रतिशत से अधिक रही। एक उद्योग विशेषज्ञ ने कहा कि अमेरिका जैसे देशों में बढ़ते बाजार अवसरों और मांग से निर्यात को मासिक आधार पर वृद्धि दर्ज करने में मदद मिल रही है। विशेषज्ञों ने कहा कि भारत का दवा उद्योग का कारोबार 2030 तक 130 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो सकता है। बाजार के अवसरों के विस्तार तथा विदेशी बाजारों में बढ़ती मांग के दम पर यह हो पाएगा। वित्त वर्ष 2022-23 में कारोबार 50 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक रहा था।

कांग्रेस 'न्याय' क्या करेगी, जब पार्टी पार्षद की बेटी को ही इंसाफ नहीं मिला : अनुराग ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अनुराग ठाकुर ने कर्नाटक की छात्रा नेहा हिरेमथ की हत्या को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए बुधवार को कहा कि कांग्रेस क्या 'न्याय' करेगी, जब पार्टी के पार्षद की बेटी की ही हत्या हो गई और पीड़ित परिवार को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच की मांग करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार में 'सबका साथ, सबका विकास' सुनिश्चित किया गया है। केंद्रीय मंत्री ने यहां 'पीटीआई-वीडियो' सेवा से कहा, राहुल गांधी की 'नफरत का दुकान' में नफरत का बाजार खुल गया है। जब कर्नाटक में, जहां कांग्रेस की सरकार है, कांग्रेस पार्षद की बेटी नेहा को ही न्याय नहीं मिला तो वह क्या 'न्याय' करेंगे। उन्हें (हिरेमथ परिवार को) सीबीआई जांच की मांग करनी पड़ी। कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र को 'न्याय पत्र' नाम दिया गया है। उन्होंने कहा, राहुल गांधी, सोनिया गांधी जी, प्रियंका गांधी जी, जागिए। आप किसे न्याय दिलाने की बात करते हो।

कर्नाटक के हुबली में स्थित बीवीबी कॉलेज के परिसर में पिछले बृहस्पतिवार को नेहा हिरेमथ (23) की चाकू मारकर नृशंस हत्या कर दी गई थी। आरोपी फयाज मौके से भाग गया था लेकिन पुलिस ने बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया था।

ठाकुर ने कहा कि वह ऐसी कई हिंदू लड़कियों के नाम गिना सकते हैं, जिन्हें मार दिया गया। भाजपा नेता ने कहा कि गांधी-नेहरू परिवार का कोई सदस्य उनके समर्थन में नहीं आया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस चुप है और उसकी रुचि तुष्टिकरण की राजनीति में है।

दक्षिण भारत का हिंदी दैनिक
दक्षिण भारत राष्ट्रमत का जन-जागरण प्रयास

लोकसभा चुनाव मतदान - 26 अप्रैल व 7 मई

हर हाल में करें मतदान

भारत में मतदान का एक बड़ा महत्व है। इसी महत्व के मद्देनजर भारतीय चुनाव आयोग की तरफ से सौ फीसद मतदान के लिए विशेष उपाय किए जा रहे हैं। एक तरफ जहां लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया जा रहा है, वहीं मतदान केंद्र पर भी उन्हें किसी तरह की कोई परेशानी न आए, इसके प्रबंध किए जा रहे हैं। इसलिए हरेक मतदाता का यह फर्ज बनता है कि वह लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान में हर हाल में भाग ले। और हां, पूरी तरह से जागरूक होकर अच्छे प्रत्याशी को ही मतदान करें, ऐसे प्रत्याशी को कतई वोट न करें, जिसके लिए बाद में पछताना पड़े।

देवीलाल गांधी, अध्यक्ष, तेयुप टी दासरहल्ली

मताधिकार का सही उपयोग जरुरी

लोकसभा चुनाव नागरिकों के कंधों पर एक बड़ी जिम्मेदारी होती है। यह लोकतंत्र नागरिकों को सशक्त बनाने में मदद करता है। जब कोई व्यक्ति वोट देने का अधिकार अर्जित करता है, तो वह जिम्मेदारी से अपनी सरकार चुनता है क्योंकि उसे अपने हाथों में मौजूद शक्ति का एहसास होता है और महसूस करता है कि वह भी देश की प्रगति के लिए सही प्रत्याशी को चुनकर अपना योगदान दे रहा है । लोकतंत्र का महा उत्सव कई चरणों में देशभर में मनाया जा रहा है, हमें याद रखना है इस उत्सव को महत्वपूर्ण बनाना है तो हमें हमारा मत अधिकार का प्रयोग करना ही होगा।

मनोज सारड़ीवाल
ज्वेलरी व्यवसायी, बेंगलूरु

वोट देने घर से बाहर निकलें

26 अप्रैल को बेंगलूरु में लोकतंत्र का एक महापर्व मतदान के रूप में आया है, इसे अन्य धार्मिक पर्व के तरह से मनाना चाहिए। यह पर्व पांच वर्ष में एक बार आता है। हमें हमारा वोट बहुत सोच समझकर करना है ताकि हमारा वोट देश की विकास की राह में सहायक बने। मेरा सभी मतदाताओं से निवेदन है कि समय पर वोट करें और किसी भी प्रकार का आलस्य व बहाना न करते हुए वोट दें। अपने घर, फ्लेट से बाहर निकलें और लोकतंत्र के पर्व को उत्साह से मनाएं। ऐसे उम्मीदवार को वोट अवश्य दें जो आपके, हमारे व देश के विकास के बारे में विचार करता हो।

महावीरचंद मेहता,
उपाध्यक्ष-कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन, बेंगलूरु

उपकार चुकाने का अवसर है वोट

किसी भी देश के विकास में सबसे ज्यादा जरूरी है जन भागीदारी। जब तक किसी देश का हर नागरिक अपने अधिकार व कर्त्तव्य के बारे में सजग नहीं होगा तब तक उसका देश विकास नहीं कर सकता है। विकास के लिए भागीदारी व लोकतंत्र में भागीदारी के लिए मतदान अति आवश्यक है। मत हमारे सही गलत निर्णय का परिणाम देता है। यदि हम स्थाई और सशक्त सरकार के लिए मत करते हैं तो हमारा मत भी निर्णायक है। हम सभी नागरिक अपनी भारत माता को हमेशा बुलंदी पर तो देखना चाहते हैं परन्तु कई बार मतदान करने में उदासीनता दिखाते हैं। मत हमारा अधिकार ही नहीं, अपितु भारत माता के उपकार को चुकाने का एक अवसर भी है।

सुनील बजाज, उद्योगपति, बेंगलूरु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
लोकतंत्र का सम्मान - अवश्य करें मतदान

जिसकी गारंटी पर हो विश्वास उसे वोट दें

इस लोकतंत्र में वोट ही है विकास की गारंटी। वोट करना हमारा संवैधानिक अधिकार है। समय पर वोट करना, अच्छे व सशक्त उम्मीदवार को वोट करना हमारे विकास की गारंटी है । हमें ऐसे नेता को वोट करना है जो देश को उन्नति के पथ पर अग्रसर करे। हमें किसी भी उम्मीदवार के कार्य का मूल्यांकन कर उसके इतिहास को देखकर उसे अपना समर्थन देना चाहिए। वोट उसे दें जो आपको सपोर्ट करे और मत का उपयोग उसके पक्ष में करें जो आपके मन का हो। देश के प्रति हमारी बहुत अधिक जिम्मेदारी है कि हम उसे वोट दें जिसकी गारंटी पर हमें विश्वास हो।

रामसिंह दुगड़,
स्वास्थ्य सलाहकार, बेंगलूरु

शेरदिल नेता को दें अपना मत

मतदान के अधिकार का हमें पांच साल में एक बार आमचुनाव में उपयोग करने को मिलता है, यह ऐसा निर्णय है जिस पर हमारे देश का भविष्य टिका हुआ होता है। हम वोट देकर उम्मीदवार से उसे पांच साल का रिपोर्ट कार्ड पूछने का अधिकार रखते हैं और यदि हमने वोट नहीं दिया तो सरकार के कार्यों पर हमें उंगली उठाने का कोई अधिकार नहीं है। आज भारत की पूरे विश्व में तूती बोल रही है यदि हमें भारत को विश्व का गुरु बनाना है तो इस आम चुनाव में ऐसे नेताओं को चुन चुन कर भेजें जो देश हित में कार्य करने का जज्बा रखते हों और करके भी दिखाते हों। आज देश को शेरदिल नेता की जरूरत है।

दिलीप जैन, व्यापारी, बेंगलूरु

स्वस्थ लोकतंत्र के लिए जरुरी है मतदान

स्वस्थ लोकतंत्र के लिए सबसे जरूरी है मतदान। आम चुनाव का पर्व दीपावली व होली से भी बड़ा त्यौहार है क्योंकि इस पर्व में हमें जाति, धर्म व सम्प्रदाय से ऊपर उठकर देशहित के लिए वोट करना है। इस वोट के यज्ञ में हर व्यक्ति को अपने मत की आहूति देनी ही होगी तभी हमारे देश का वातावरण शुद्ध व पावन होगा। वोट से लोकतंत्र मजबूत होता है और लोकतंत्र मजबूत होगा तो हमारी सनातन संस्कृति भी मजबूत होगी। आज हमारा देश विश्व में अन्य देशों को राह दिखा रहा है। हर व्यक्ति का एक वोट ही सरकार को स्थाई बनाएगा।

जगदीश खत्री, व्यापारी, बेंगलूरु

देशभक्त लोगों का करें चयन

मतदान एक ऐसा दायित्व है जो चाहें व्यक्ति कितना भी अमीर हो या कितना भी गरीब हो, हर किसी को समान रूप से मिलता है। आपका वोट केवल आपके क्षेत्र के लिए ही नहीं बल्कि संपूर्ण राष्ट्र की दिशा निर्धारण करने में आपकी तरफ़ से राष्ट्रहित में लिया हुआ एक छोटा पर महत्त्वपूर्ण कदम है। भारत जैसे 145 करोड़ की आबादी वाले देश में 97 करोड़ ही मतदान के अधिकारी हैं, उसमें से लगभग 60 करोड़ लोग ही अपने मत का उपयोग करते हैं। यानी कि मात्र 41 प्रतिशत आबादी ही अपना काम करती है। अगर देश में मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ जाए तो भारत का विकास कई गुणा बढ़ जाएगा ।

दिनेश मरोठी,
फाइनेंस व्यापारी, बेंगलूरु

– जनहित में जारी

'इंडिया' गठबंधन की सरकार बनी तो करोड़ों लखपति बनेंगे : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती (महाराष्ट्र)/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 10 वर्ष के शासनकाल में 16 लाख करोड़ रुपए की कर्ज माफी के साथ केवल 22-25 लोग अरबपति बने, लेकिन यदि 'इंडिया' गठबंधन की सरकार बनती है तो यह (सरकार) करोड़ों लोगों को लखपति बनाएगी। गांधी ने महाराष्ट्र के अमरावती जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया की कोई ताकत भारत के संविधान को नहीं बदल सकती। उन्होंने कहा कि अगर 'इंडिया' गठबंधन सत्ता में आता है तो जातीय जनगणना एवं 'आर्थिक सर्वेक्षण' प्राथमिकता के साथ कराया जाएगा और किसानों का कर्ज भी माफ कर दिया जाएगा।

कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने केवल अपने 22 उद्योगपति मित्रों की मदद की और उनका 16 लाख करोड़ रुपए का कर्ज माफ कर दिया। उन्होंने कहा, मोदी ने अपने 22 उद्योगपति मित्रों की मदद की, लेकिन आम आदमी के लिए कुछ नहीं किया।

उन्होंने नोटबंदी लागू की और कृषि कानून तथा जीएसटी लाए। उन्होंने अपने 22 उद्योगपति मित्रों का 16 लाख करोड़ रुपए का कर्ज माफ कर दिया, लेकिन गरीबों, छात्रों और किसानों का कितना कर्ज माफ किया?''

कलबुर्गी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और पार्टी के अन्य नेता बुधवार को लोकसभा चुनाव-2024 के लिए पार्टी उम्मीदवार के समर्थन में एक चुनावी रैली में्।

मोदी और शाह विक्रेता और अंबानी-अडाणी हैं खरीददार : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर दशकों पहले स्थापित किए गए सरकारी स्वामित्व वाले कारखानों को अंबानी और अडाणी को बेचने का आरोप लगाया। उन्होंने मोदी को लूटा गया धन गांधी परिवार से वापस लेने की चुनौती देते हुए कहा कि उस परिवार से कोई भी सदस्य 1989 के बाद से प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या कोई मंत्री नहीं रहा है, ऐसे में उन्हें दोष नहीं देना चाहिए।

खरगे ने अपने गृह जिले कलबुर्गी के अफजलपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, मोदी कहते हैं कि गांधी परिवार ने देश को लूटा। आप प्रधानमंत्री हैं, लूटा हुआ पैसा वापस दिलाएं। मोदी कहते हैं कि उन्होंने बड़े-बड़े काम किये हैं। क्या किया है आपने? पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने जो बड़े-बड़े कारखाने स्थापित किए थे, उन्हें आप बेच रहे हैं और खा रहे हैं। कांग्रेस ने खरगे के दामाद राधाकृष्ण डोड्डामणि को कलबुर्गी से मैदान में उतारा है, जहां सात मई को मतदान होगा। उन्होंने आरोप लगाया: इस देश में हो यह रहा है कि दो विक्रेता और दो खरीदार हैं। बेचने वाले मोदी और शाह हैं और खरीदने वाले अंबानी और अडाणी हैं।खरगे ने दावा किया कि मोदी और शाह अंबानी और अडाणी के लिए जी रहे हैं, देश के लोगों के लिए नहीं। खरगे ने सभा में मौजूद लोगों से कहा, वे (मोदी और शाह) उनके (अंबानी और अडाणी) लिए सत्ता चाहते हैं, आपके लिए नहीं। खरगे ने प्रधानमंत्री के इस बयान पर उनकी आलोचना की कि कांग्रेस लोगों की मेहनत की कमाई और कीमती सामान 'घुसपैठियों' और जिनके 'अधिक बच्चे हैं' उन्हें देने की योजना बना रही है, और सत्ता में आने पर माताओं और बहनों का 'सोना' चुरा लेगी।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, मोदी कहते हैं कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो वे आपका मंगलसूत्र छीन लेंगे। वह किस तरह के प्रधानमंत्री हैं? उन्हें शर्म आनी चाहिए। हमने इस देश पर 55 साल तक शासन किया। हमने किससे छीनकर दूसरों को दिया? खरगे ने कांग्रेस के घोषणापत्र को आजादी से पहले की मुस्लिम लीग की छाप बताने पर भी मोदी पर हमला बोला।

उन्होंने जानना चाहा कि क्या यह मुस्लिम लीग थी जब कांग्रेस ने युवाओं को 30 लाख नौकरियां, किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य, छात्रवृत्ति और एससी/एसटी युवाओं को लाभ पहुंचाने के लिए पिछली रिक्तियों को भरने का वादा किया था। खरगे ने कहा, मैंने प्रधानमंत्री से कहा है कि वह जहां भी प्रचार करेंगे, मैं उन्हें हमारे घोषणा पत्र के बारे में समझाने आऊंगा। मैंने उन्हें पत्र भी लिखा है। मुझे नहीं पता कि उन्हें यह प्राप्त हुआ या नहीं। उन्होंने कहा, जिस व्यक्ति का दिमाग संतुलित है वह ऐसी बातें नहीं बोलेगा। मुझे नहीं पता कि उन्हें (मोदी को) क्या हुआ है।

कलबुर्गी की रैली में खरगे ने की भावनात्मक अपील

कम से कम मेरे अंतिम संस्कार के लिए तो आइएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी। कांग्रेस अध्यक्ष एम. मल्लिकार्जुन खरगे ने अपने गृह जिले कलबुर्गी के लोगों के साथ भावनात्मक जुड़ाव बनाने की कोशिश करते हुए बुधवार को उनसे अपील की कि भले ही वे आगामी लोकसभा चुनावों में पार्टी उम्मीदवार के पक्ष में वोट न करना चाहते हों, लेकिन अगर उन्हें लगता है कि उन्होंने (खरगे ने) उनके लिए काम किया है तो कम से कम उनके अंतिम संस्कार में शामिल हों। जिले के अफजलपुर में एक चुनावी रैली में 81-वर्षीय नेता ने यह भी कहा कि अगर उन्होंने (लोगों ने) कांग्रेस उम्मीदवार को वोट नहीं दिया, तो उन्हें लगेगा कि कलबुर्गी में अब उनके लिए कोई जगह नहीं है।

कांग्रेस ने खरगे के दामाद राधाकृष्ण डोड्डामणि को भाजपा के मौजूदा सांसद उमेश जाधव के खिलाफ कलबुर्गी से मैदान में उतारा है। खरगे ने कहा, अगर आप इस बार (कांग्रेस उम्मीदवार को) अपना वोट देने से चूक गए, तो मैं सोचूंगा कि मेरे लिए यहां कोई जगह नहीं है और मैं आपका दिल नहीं जीत सका।

कांग्रेस नेता ने इस सीट से 2009 और 2014 में चुनाव जीता था लेकिन 2019 में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, आप हमें (कांग्रेस को) वोट दें या नहीं, लेकिन अगर आपको लगता है कि मैंने कलबुर्गी के लिए काम किया है तो कम से कम मेरे अंतिम संस्कार में जरूर आएं। उन्होंने यह भी कहा कि वह भाजपा और आरएसएस की विचारधारा को हराने के लिए अपनी आखिरी सांस तक राजनीति में बने रहेंगे।

खरगे ने जोर देकर कहा, मेरा जन्म राजनीति के लिए हुआ है। मैं चुनाव लड़ूं या नहीं लड़ूं, लेकिन इस देश के संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए अपनी आखिरी सांस तक प्रयास करूंगा। मैं राजनीति से संन्यास नहीं लूंगा। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति पद से होती है लेकिन किसी को अपने सिद्धांतों से सेवानिवृत्त नहीं होना चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा, मैं भाजपा और आरएसएस की विचारधारा को हराने के लिए पैदा हुआ हूं, न कि उनके सामने आत्मसमर्पण करने के लिए।

संपत्ति के पुनः बंटवारे का मामला :

देवेगौड़ा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु, 24 अप्रैल (भाषा) पूर्व प्रधानमंत्री एच. डी. देवेगौड़ा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के ''संपत्ति के पुन: बंटवारे संबंधी वादे'' की आलोचना करते हुए बुधवार को कहा कि केवल कोई व्यावहारिक ज्ञान-शून्य व्यक्ति ही ऐसी बात कर सकता है। जनता दल (सेक्युलर) के प्रमुख देवेगौड़ा (90) ने कांग्रेस के घोषणा-पत्र का उपहास उड़ाते हुए दावा किया कि केवल वही पार्टी इतने सारे वादे कर सकती है, जिसे यह भलीभांति पता होता है कि वह कभी सत्ता में नहीं आयेगी।

उन्होंने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''कांग्रेस ने अपने घोषणा-पत्र में बहुत सारे वादे किये हैं। केवल वही पार्टी इतने वादे करेगी, जिसे यह अच्छी तरह पता होता है कि वह कभी सत्ता में नहीं आयेगी।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस द्वारा किये गये वादों से संकेत मिलता है कि वह ''किसी भी कीमत पर'' सत्ता में आना चाहती है। देवेगौड़ा ने कहा, राहुल गांधी संपत्ति का सर्वेक्षण कर संपत्ति का बंटवारा करना चाहते हैं। क्या उन्हें लगता है कि वह एक जन नेता हैं?

उन्होंने आर्थिक उदारीकरण की दिशा में पूर्व प्रधानमंत्रियों- पी. वी. नरसिंह राव और मनमोहन सिंह, के योगदान को याद करते हुए कहा, वह एक क्रांति का सपना देख रहे हैं। संपत्तियों के पुन: बंटवारे की बात करके राहुल गांधी ने देश के इन दो पूर्व प्रधानमंत्रियों का अपमान किया है, जिन्होंने आर्थिक सुधार कर देश की संपत्तियों को बढ़ाया था। देवेगौड़ा ने आरोप लगाया कि गांधी ने परोक्ष रूप से यह कहने का प्रयास किया कि इन दो पूर्व प्रधानमंत्रियों ने जो किया, वह गलत था।

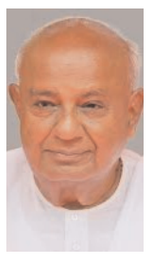

कांग्रेस के घोषणा-पत्र 'न्याय पत्र' से कुछ बिंदुओं का जिक्र करते हुए देवेगौड़ा ने कहा, राहुल गांधी केंद्र सरकार की 30 लाख नई नौकरियां देना चाहते हैं। मैंने भी देश चलाया है। केवल 40 लाख स्वीकृत नौकरियां हैं। वह रातोंरात 30 लाख और नौकरियां कैसे जोड़ सकते हैं। वह इन लोगों को कहां से वेतन देंगे। वह उन्हें कहां रोजगार देंगे। उन्होंने आश्चर्य जताते हुए कहा कि क्या राहुल गांधी उन्हें सरकारी कार्यालयों में चार शिफ्ट में 'लिफ्ट ऑपरेटर' के रूप में नौकरी देंगे करेंगे।

देवेगौड़ा ने कहा, ''केवल कोई व्यावहारिक ज्ञान-शून्य व्यक्ति ही इस तरह की बात कर सकता है। श्री (पी) चिदम्बरम घोषणा-पत्र समिति के अध्यक्ष थे। क्या वह राहुल गांधी के इन अपरिपक्व आर्थिक विचारों से सहमत हैं?''

कर्नाटक सरकार सहकारी बैंकों में घोटालों की एसआईटी जांच पर कर रही है विचार : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार शहर के सहकारी बैंकों में कथित घोटालों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने की योजना बना रही है और उन्होंने इनमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं की संलिप्तता का दावा किया।

कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष शिवकुमार श्री गुरु राघवेंद्र सहकार बैंक, उसकी सहयोगी कंपनी श्री गुरु सार्वभौमा सौहार्द क्रेडिट कोऑपरेटिव लिमिटेड और श्री वासिस्ता क्रेडिट सौहार्द सहकारी लिमिटेड से जुड़ी कथित वित्तीय धोखाधड़ी का जिक्र कर रहे थे। शिवकुमार ने कहा कि चुनाव

प्रचार के लिए केरल रवाना होने से पहले जमाकर्ताओं के एक समूह ने बुधवार को यहां कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा से मुलाकात की और उन्हें न्याय की मांग करते हुए एक पत्र सौंपा।

उन्होंने पत्रकारों से कहा, ऐसे तीन लाख जमाकर्ता हैं जिन्हें नुकसान हुआ है। उनमें से लगभग 300 की मौत हो चुकी है, और इनमें से कई वरिष्ठ नागरिक हैं...जब भाजपा सत्ता में थी, तो उन्होंने इसे (जांच) केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने का वादा किया था। लेकिन हमारी सरकार ने (सत्ता में आने पर) इसे सीबीआई को दे दिया....लेकिन चूंकि इसमें भाजपा नेता शामिल हैं और उन्होंने धोखाधड़ी की है, इसलिए सीबीआई ने न तो मामला दर्ज किया है और न ही पूछताछ शुरू की है।

शिवकुमार ने कहा, प्रियंका गांधी ने मुख्यमंत्री (सिद्धरमैया) और मुझसे (शिवकुमार) से एसआईटी गठित करने पर विचार करने और कानून के अनुसार कार्रवाई करने को कहा है। चुनाव के तुरंत बाद हम इस पर निर्णय लेंगे और न्याय सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा, ''आपकी मेहनत की कमाई भाजपा नेताओं ने ले ली है। ऐसा नहीं होना चाहिए था।'' उन्होंने जमाकर्ताओं को आश्वासन दिया कि सरकार उनके हितों की रक्षा करने का प्रयास करेगी।

नेहा की तस्वीरें लीक करने में सरकार का हाथ : जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। केंद्रीय मंत्री एवं कर्नाटक में धारवाड़ लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) उम्मीदवार प्रह्लाद जोशी ने बुधवार को आरोप लगाया कि नेहा हिरेमथ के कथित हत्यारे के मोबाइल से तस्वीरें लीक करने के पीछे राज्य की कांग्रेस सरकार का हाथ है। जोशी ने यहां संवाददाताओं से सवालिया लहजे में कहा कि जब आरोपी जेल में था तो उसके मोबाइल से तस्वीरें किसने लीक की। उन्होंने कर्नाटक सरकार पर तस्वीरें लीक करने में शामिल होने का आरोप लगाया और मामले की जांच की आवश्यकता पर बल दिया।

नेहा की हत्या के बाद हुब्बल्ली में एक युवती पर हमले की घटना के परिप्रेक्ष्य में उन्होंने कहा, धर्मान्तरण से इनकार करने पर युवती के साथ मारपीट की गयी। हुबली क्षेत्र में हिंदू संगठन और समुदाय मजबूत हैं तथा यहां ऐसी घटनाएं हो रही हैं, तो अन्य जगहों पर क्या स्थिति है।

महिलाओं की सुरक्षा और सांप्रदायिक सद्भाव पर व्यापक प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त करते हुए उन्होने कहा, तुष्टिकरण की राजनीति में शामिल लोगों को सत्ता से उखाड़ फेंकना चाहिए। अन्यथा हमारे लिए हिंदू धर्म और संस्कृति को अपने घरों में बनाए रखना मुश्किल होगा।

गौरतलब है कि हुब्बल्ली-धारवाड़ नगरपालिका निगम के कांग्रेस पार्षद निरंजन हिरेमथ की पुत्री नेहा की गत 18 अप्रैल को उसके कॉलेज सहपाठी फयाज कोंडिकोप्पा ने कॉलेज परिसर में चाकू मारकर हत्या कर दी थी। नेहा के परिवार ने लव जिहाद का आरोप लगाया है।

लोकसभा चुनाव में अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है जद (एस)

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। लोकसभा चुनाव में जनता दल एस (जद-एस) पिछले साल के राज्य विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के हाथों जबरदस्त हार का सामने करने के बाद अब अपने राजनीतिक प्रासंगिकता बनाये रखने की चुनौती से जूझ रहा है। राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस लोकसभा चुनाव में भाजपा-जद(एस) गठबंधन के खिलाफ खुलकर चुनाव मैदान में है। दूसरे चरण में कांग्रेस ने सभी 14 निर्वाचन क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार उतारे हैं जबकि भाजपा ने 11 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किये हैं। वहीं तीन सीटों हासन, मंड्या और कोलार में भाजपा-जद(एस) गठबंधन चुनाव मैदान में है। जद(एस) के संरक्षक एवं पूर्व प्रधानमंत्री, एचडी देवेगौड़ा और पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी अपने उम्मीदवारों के लिए समर्थन जुटाने के लिए चुनावी जंग के केंद्र में उतर आये हैं। पार्टी के आधार को फिर से जीवंत करने और राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में पार्टी के अस्तित्व और पुनरुत्थान को सुनिश्चित करना उनका मकसद है। भाजपा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने पार्टी की संभावनाओं को मजबूत करने के लिए रैलियों और रोड शो को संबोधित करते हुए अभियान का नेतृत्व किया है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्रियों और गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने भी सक्रिय रूप से प्रचार किया है। वहीं वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येडीयुरप्पा तथा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा प्रचार अभियान में लगे हैं और पार्टी के एजेंडे को बढ़ावा दे रहे हैं। कांग्रेस ने अध्यक्ष एम मल्लिकार्जुन खरगे, वरिष्ठ नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी, मुख्यमंत्री सिद्दरामैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी सहित अपने दिग्गज नेताओं को पार्टी के अभियान का नेतृत्व करने और ऊर्जा देने के लिए तैनात किया है।

चुनाव आचार संहिता के घोर उल्लंघन के 189 मामले दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में 26 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान की तैयारियों के बीच निर्वाचन आयोग ने बुधवार को कहा कि बेंगलूरु ग्रामीण और मैसूर निर्वाचन क्षेत्रों के सभी मतदान केंद्रों का 'वेबकास्ट' किया जाएगा। निर्वाचन आयोग ने कहा कि अब तक आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) के घोर उल्लंघन के लिए राजनीतिक दलों अथवा उम्मीदवारों के खिलाफ कुल 189 मामले दर्ज किए गए हैं।

कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार मीणा ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि 14 निर्वाचन क्षेत्रों के 30,602 मतदान केंद्रों पर 1.40 लाख मतदान अधिकारी ड्यूटी पर रहेंगे, जहां शुक्रवार, 26 अप्रैल को पहले चरण में मतदान होगा। उन्होंने कहा कि मतदान अधिकारियों के अलावा इन मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के लिए 5,000 सूक्ष्म पर्यवेक्षक, 50,000 पुलिसकर्मी, केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की 65 कंपनियां और अन्य राज्यों के राज्य सशस्त्र पुलिस बल भी तैनात किए जाएंगे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा, ''बेंगलूरु ग्रामीण संसदीय क्षेत्र के सभी 2,829 मतदान केंद्रों पर 100 प्रतिशत वेबकास्ट किया जाएगा। निर्वाचन अधिकारियों और पर्यवेक्षकों के अनुरोध के अनुरूप ऐसा किया गया है...।''

उन्होंने कहा कि 30602 मतदान केंद्रों में से 19701 मतदान केंद्रों पर 'वेबकास्ट' जबकि 1370 पर सीसीटीवी की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों के खिलाफ दर्ज किये गये 189 मुकदमों में से 23 नफरती भाषण, 28 प्रलोभन और 15 धार्मिक स्थलों के दुरुपयोग समेत आदर्श आचार संहिता के अन्य उल्लंघनों से जुड़े हुए हैं। राजनीतिक दलों द्वारा कथित आदर्श आचार संहिता के दुरुपयोग के मामलों को लेकर उन्होंने कहा कि नफरती भाषण को लेकर 12 मामले भाजपा और उसके प्रत्याशियों के खिलाफ, नौ मामले कांग्रेस के खिलाफ और दो मामले जद(एस) के खिलाफ दर्ज किये गए हैं।

पाटिल ने आयोग से मोदी के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेकर मामला दर्ज करने की मांग की

हुब्बल्ली। कर्नाटक के कानून मंत्री एच के पाटिल ने चुनाव आयोग (ईसी) से राजस्थान में हाल ही में एक चुनावी रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कथित टिप्पणी को लेकर उनके खिलाफ स्वत: संज्ञान लेकर मामला दर्ज करने की मांग की है। उन्होंने चुनाव आयोग से श्री मोदी को आगामी लोकसभा चुनाव में भाग लेने से अयोग्य घोषित करने का आग्रह किया है। पाटिल ने यहां मीडिया को संबोधित करते हुए राजस्थान के बांसवाड़ा में एक चुनावी रैली में श्री मोदी के भाषण का जिक्र किया, जहां प्रधानमंत्री ने कहा था कि अगर कांग्रेस सत्ता में आती है, तो वह कड़ी मेहनत से कमाए गए धन, कीमती सामान और संपत्ति को 'घुसपैठियों' और 'जिनके अधिक बच्चे हैं' के बीच फिर से वितरित करेगी।

कानून मंत्री ने बयानों की निंदा करते हुए उन्हें विभाजनकारी और चुनावी आचार संहिता का उल्लंघन बताया। श्री पाटिल ने टिप्पणी की, 'मोदी द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा बहुत निम्न है, यहां तक कि एक ग्राम पंचायत अध्यक्ष के लिए अपेक्षित मानकों से भी नीचे।' उन्होंने चेतावनी दी कि अगर चुनाव आयोग अगले 24 घंटों के भीतर कार्रवाई करने में विफल रहता है, तो कांग्रेस कानूनी उपाय तलाशेगी।

रोड शो

मांड्या लोकसभा सीट से एनडीए उम्मीदवार एचडी कुमारस्वामी ने बुधवार को मांड्या में जेडीएस रोड शो का नेतृत्व करते हुए।

रैपिडो मतदान के दिन कर्नाटक में वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांग मतदाताओं को देगी मुफ्त सेवाएं

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। ऑनलाइन टैक्सी बुकिंग की सुविधा देने वाली कंपनी रैपिडो ने अपनी सवारी जिम्मेदारी की' पहल के तहत कर्नाटक में मतदान के दिन दिव्यांग तथा वरिष्ठ नागरिक मतदाताओं को मुफ्त बाइक टैक्सी, ऑटो और कैब मुहैया कराने की घोषणा की है। कंपनी के अनुसार, बेंगलूरु, मैसूरु और मंगलूरु में मतदाता वीओटीई एनओडब्ल्यू (वोट नाउ) कोड का इस्तेमाल करके 26 अप्रैल को मतदान केंद्रों तक मुफ्त यात्रा का लाभ उठा सकेंगे।

रैपिडो ने एक बयान में कहा, ''भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) और बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) के सहयोग से रैपिडो बेंगलूरु में दिव्यांग और वरिष्ठ नागरिक मतदाताओं को मुफ्त ऑटो तथा कैब की सवारी प्रदान करके आम चुनाव 2024 में नागरिक भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए तैयार है।''

रैपिडो के सह-संस्थापक पवन गुंटुपल्ली ने कहा कि इस कदम का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि दिव्यांग तथा वरिष्ठ मतदाताओं को अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का इस्तेमाल करने के लिए समान अवसर मिल पाए।

प्रचार

कांग्रेस प्रत्याशी डीके सुरेश के लिए प्रचार करते उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार।

बीजेपी गरीब को गणेश मानकर करती है सेवा : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रतापगढ़। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गरीब कल्याण, विकास, सीमा सुरक्षा तथा दुनिया में देश का गौरव बढ़ाने के लिए काम करते हैं। उनके नेतृत्व में हमारी भारतीय जनता पार्टी गरीब को गणेश मानकर सेवा का कार्य करती है। भजनलाल शर्मा बुधवार को प्रतापगढ़ के धमोत्तर में भाजपा प्रत्याशी सी. पी. जोशी के समर्थन में आयोजित जनसभा को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत केवल घोषणाएं करते हैं और उन्हें भूल जाते हैं। उन्होंने अपने पूर्व कार्यकाल में किसानों की कर्जमाफी, युवाओं को 3500 रुपये का बेरोजगारी भत्ते जैसी विभिन्न घोषणाएं की थीं, लेकिन इनमें से कुछ भी धरातल पर मूर्त रूप नहीं ले सकीं। उन्होंने कहा कि हम घोषणा नहीं संकल्प करते हैं तथा संकल्प पत्र में जनता से किए 45 प्रतिशत वादे अब तक पूरे कर चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश को भ्रष्टाचार, आतंकवादी घटनाएं, तुष्टिकरण की राजनीति और घोटालों का आए दिन सामना करना पड़ता था। जनता का राजनैतिक लोगों से विश्वास उठ गया था लेकिन मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश में परिस्थितियां बदलीं तथा देश विकास के पथ पर अग्रसर होता चला गया। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने घर-घर शौचालय, किसान सम्मान निधि, हर घर नल से जल, उज्ज्वला योजना जैसी विभिन्न योजनाओं तथा कार्यक्रमों से माताओं, बहनों, किसानों सहित सभी वर्गों को राहत पहुंचाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से हर गांव में सड़क का निर्माण करवाया था, जिससे आज गांवों में आवागमन सुलभ हो सका है।

भजनलाल शर्मा ने कहा कि सरकार बनने के महज साढ़े तीन माह के कार्यकाल में ही हमारी सरकार ने पेपरलीक के दोषी और आरोपियों पर कार्रवाई की है। पेपरलीक पर रोकथाम के लिए एसआईटी का गठन किया, अब तक 97 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। उन्होंने आश्वस्त किया कि युवाओं के सपनों पर कुठाराघात करने वाले इन प्रकरणों में लिप्त बड़े से बड़े व्यक्ति को भी बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है। यहां गैंगवार को रोकने तथा राज्य के प्रत्येक नागरिक को सुरक्षा देने के लिए एंटी गैंगस्टर टॉस्क फोर्स गठित की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार के गठन के तीन माह में हमने किसान सम्मान निधि की राशि 6 से बढ़ाकर 8 हजार, गेहूं की एमएसपी 125 रुपये बढ़ाकर 2400 रुपये प्रति क्विंटल, सामाजिक सुरक्षा के तहत 1150 रुपये पेंशन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में वृद्धि, पेट्रोल-डीजल की दरों में विसंगति को दूर करना तथा पेट्रोल-डीजल के दामों में कमी जैसे निर्णय लिए हैं। हमारी सरकार संकल्प पत्र में किए गए प्रत्येक वादे का पूरा करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा से लूट, झूठ और जातिवाद की राजनीति की है। मोदी ने जाति को महत्व ना देते हुए कोरोना महामारी के दौरान सभी जाति, वर्गों के 140 करोड़ लोगों की सेवा की।

भजनलाल शर्मा ने कहा कि देश का सम्मान तथा गौरव बनाए रखने और देश के विकास के लिए हम सभी को मतदान करना है। उन्होंने जनता से 'पहले मतदान-फिर जलपान' की अपील की। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014, 2019 की तरह इस बार भी बीजेपी राज्य की सभी 25 लोकसभा सीटें जीतेगी। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी सी. पी. जोशी को अधिक से अधिक मतों से विजयी बनाने की अपील की।

हथिनी 'मालती' को आमेर से वंतारा हाथी अभयारण्य भेजा गया

जयपुर। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बिगड़ने के चलते एक हथिनी को जयपुर के आमेर से जामनगर के वंतारा हाथी अभयारण्य में भेज दिया गया है। यह कदम उच्चतम न्यायालय की एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति (एचपीसी) की सिफारिश के बाद उठाया गया है।

पीपुल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पेटा) इंडिया के एक बयान में यह जानकारी दी गई है। इसके अनुसार हथिनी मालती के बिगड़ते शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का हवाला देते हुए (पेटा) ने एक शिकायत दायर की थी। इसके बाद समिति ने एक स्वतंत्र पशु चिकित्सा विशेषज्ञ नियुक्त किया जिसके आकलन के आधार पर समिति ने हथिनी को दूसरी जगह भेजने की सिफारिश की थी।

इसके अनुसार हथिनी मालती को हाल ही में जामनगर के वन्यजीव अभयारण्य में भेजा गया है। पेटा के एक बयान में कहा गया है कि मालती को स्थानांतरित करने के निर्णय को 120 पशु चिकित्सकों द्वारा हस्ताक्षरित 'राय' का समर्थन मिला। पेटा इंडिया की 'एडवोकेसी प्रोजेक्ट्स' की निदेशक खुशबू गुप्ता ने कहा, आमेर किले में मालती जैसे हाथियों को हथियारों से नियंत्रित किया जाता है, सवारी के लिए इस्तेमाल नहीं किए जाने पर उन्हें जंजीरों से बांध दिया जाता है।

बांसवाड़ा लोकसभा सीट पर अपने ही उम्मीदवार के खिलाफ प्रचार कर रही कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बांसवाड़ा। राजस्थान की आदिवासी बहुल बांसवाड़ा लोकसभा सीट पर चुनावी लड़ाई रोचक हो गई है, जहां कांग्रेस लोगों से अपनी ही पार्टी के उम्मीदवार को वोट न देने की अपील कर रही है। कांग्रेस ने राजस्थान में काफी उतार-चढ़ाव के बाद भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के साथ गठबंधन करने का फैसला किया, जिसके बाद दोनों दलों ने संयुक्त उम्मीदवार राजकुमार रोत को मैदान में उतारा। हालांकि कांग्रेस के घोषित उम्मीदवार अरविंद डामोर ने नामांकन वापस लेने से इनकार कर दिया।

कांग्रेस ने गठबंधन की घोषणा से ठीक पहले डामोर को उम्मीदवार घोषित किया था। बांसवाड़ा लोकसभा सीट पर, जो मुकाबला भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस-बीएपी गठबंधन के बीच माना जा रहा था, वह अब डामोर के अड़ जाने से त्रिकोणीय मुकाबले में तब्दील हो गया है। डामोर के चुनाव मैदान में कूदने से ऐसा माना जा रहा है कि कांग्रेस के वोट बंटेंगे, जिसका फायदा भाजपा के उम्मीदवार महेंद्रजीत सिंह मालवीय को मिल सकता है।

कांग्रेस के स्थानीय नेता लोगों से पार्टी उम्मीदवार के बजाय रोत को वोट देने की अपील कर रहे हैं। वहीं डामोर ने दावा किया है कि उन्हें पार्टी के कई ऐसे नेताओं का समर्थन प्राप्त है, जो बीएपी के साथ गठबंधन के खिलाफ हैं। स्थानीय नेता व कांग्रेस विधायक अर्जुन बामनिया के बेटे विकास बामनिया ने कहा कि पार्टी रोत का समर्थन कर रही है।

उन्होंने कहा,हमारा रुख स्पष्ट है, हम बीएपी उम्मीदवार का समर्थन कर रहे हैं। बामनिया ने कहा कि हम लोगों की भावनाओं और पार्टी से मिले निर्देशों को ध्यान में रखते हुए काम कर रहे हैं। एक अन्य स्थानीय कांग्रेस नेता ने कहा कि रोत कांग्रेस-बीएपी गठबंधन के आधिकारिक उम्मीदवार हैं।

नेता ने कहा, हम लोगों से स्पष्ट रूप से कांग्रेस उम्मीदवार (डामोर) को वोट नहीं देने के लिए कह रहे हैं। कई स्थानीय लोगों ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि मुकाबला तो मुख्य रूप से मालवीय और रोत के बीच है। हालांकि कुछ का मानना था कि डामोर के पार्टी निर्देशों का पालन नहीं करना कांग्रेस के लिए शर्मनाक है। बीएपी की स्थापना 2023 के विधानसभा चुनावों से पहले हुई। पार्टी के तीन विधायकों में रोत भी शामिल हैं।

बांसवाड़ा अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित लोकसभा सीट है और यहां शुक्रवार को लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में मतदान होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को यहां एक रैली को संबोधित किया था। रैली में मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर कांग्रेस केंद्र की सत्ता में आती है तो वह लोगों की संपत्ति मुसलमानों में समान रूप से पुनर्वितरित कर देगी। मोदी ने इस संबंध में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की उस टिप्पणी का हवाला दिया कि देश के संसाधनों पर 'पहला हक' अल्पसंख्यक समुदाय का है।

वहीं अपने प्रचार के दौरान मालवीय, रोत पर बांसवाड़ा के लोगों को गुमराह करने का आरोप लगा रहे हैं। लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए मालवीय ने कहा,ये लोग हमारे आदिवासी भाइयों और बहनों को कहां ले जायेंगे? वे आदिवासी समुदाय को गुमराह कर रहे हैं। एक व्यक्ति का घर बनाने से पूरे समुदाय को फायदा नहीं होता। उन्होंने दावा किया कि भाजपा यह सीट भारी मतों के अंतर से जीतेगी और कांग्रेस-बीएपी का गठबंधन नहीं चलेगा। वहीं रोत ने कहा कि भाजपा उम्मीदवार आदिवासी समुदाय को बांट रहे हैं और उनका दुरुपयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा,मालवीय जिस तरह के बयान दे रहे हैं... वह आदिवासी समुदाय को गाली है। भाजपा आदिवासी समुदाय को बांटने की कोशिश कर रही है।

चचेरे भाई-बहन की हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के बालोतरा जिले में चचेरे भाई-बहन की संदिग्ध हालत में हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि इनके शरीर पर चोट के कई निशान पाए गए हैं। पुलिस के अनुसार, घटना जिले के पादरू गांव में सोमवार रात को हुई जब परिवार के अन्य लोग एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। इंद्रा (14) और उसका चचेरा भाई गौतम (12) एक कमरे में सो रहे थे जब अज्ञात बदमाशों ने उनकी हत्या कर दी। इंद्रा का छोटा भाई मनोहर दूसरे कमरे में सो रहा था, जिसने बाद में घटना की जानकारी परिजनों को दी। सिवाना के थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह ने कहा, चचेरे भाई-बहन एक कमरे में सो रहे थे, तभी अज्ञात बदमाशों ने उन पर हमला कर दिया। शवों का आज पोस्टमार्टम किया गया और शव परिवार के सदस्यों को सौंप दिए गए। फोरेंसिक टीम ने सबूत एकत्र किए हैं।

उन्होंने कहा कि हत्या के पीछे का कारण अभी पता नहीं चल पाया है और जांच चल रही है। राजधानी जयपुर में एक अन्य महिला की उस समय हत्या कर दी गई जब वह घर पर अकेली थी और परिवार के अन्य लोग शादी में गए हुए थे। बगरू थाना क्षेत्र की यह घटना रविवार रात की है। बगरू के थानाधिकारी हरीश चंद सोलंकी ने कहा, हत्या के पीछे का इरादा लूटपाट का लग रहा है। महिला ने बदमाशों का विरोध किया होगा तो उन्होंने उसका गला घोंट दिया। मृतका की पहचान हीरा देवी (51) के रूप में हुई। पूछताछ के लिए एक शख्स को हिरासत में लिया गया है। वहीं सीकर में एक शख्स ने मामूली विवाद के बाद अपनी पत्नी की हत्या कर दी। दांतारामगढ़ के थानाधिकारी भवानी सिंह ने बताया कि घटना सोमवार की सुरेरा गांव की है जहां कालूराम मीणा (67) ने अपनी पत्नी शरबती देवी (60) पर डंडे से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के समय दंपति के अलावा घर पर कोई नहीं था। सिंह ने बताया कि आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया गया है।

शादी से कुछ घंटे पहले हल्दी की रस्म के दौरान करंट लगने से दूल्हे की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के कोटा में 29 वर्षीय शख्स की अपनी शादी से कुछ घंटे पहले करंट लगने से मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यहां एक होटल में दूल्हे की हल्दी की रस्म के दौरान यह घटना हुई। कोटा के केशवपुरा निवासी सूरज सक्सेना की मंगलवार शाम को शादी होनी थी और होटल में उनकी शादी से पहले की रस्में चल रही थीं। उनके परिवार ने बताया कि हल्दी की रस्म के दौरान, वह स्विमिंग पूल की ओर चला गया। नान्ता थाने के प्रभारी (एसएचओ) नवल किशोर ने बताया कि उन्होंने लोहे का खंभा पकड़ा, जिससे उन्हें करंट लग गया।

कांग्रेस सोशलिज्म और सेकुलरिज्म से आगे नहीं बढ़ पाई : सहस्त्रबुद्धे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लोकसभा चुनाव प्रदेश प्रभारी डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे ने कांग्रेस पर मजहब आधारित आरक्षण की वकालात और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) वर्ग के अधिकारों पर अतिक्रमण करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि वह सोशलिज्म और सेकुलरिज्म से आगे नहीं बढ़ पाई।

डा सहस्त्रबुद्धे ने बुधवार को यहां भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर प्रेसवार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा विकास की राजनीति करती है लेकिन दुर्भाग्यवश प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस पार्टी अभी भी अपने पुराने ढंग सोशलिज्म और सेकुलरिज्म से आगे नहीं बढ़ पा रही है। सभी जानते हैं कि संविधान निर्माताओं ने इन शब्दों का विरोध किया और बहस होने के बाद संविधान सभा ने यह तय किया था कि इन शब्दों की कोई आवश्यकता नहीं है। कांग्रेस ने यह गलत काम संविधान निर्माता की आकांक्षाओं के विपरीत किया और इन शब्दों को समाहित किया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की ओवरसीज बॉडी के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने विरासत टैक्स की वकालात करते हुए भारत को अमरीका जैसा बनाने की बात कही। पित्रोदा ने कहा है कि जैसे घर, कुटुंब के किसी सदस्य की मृत्यु होती है तो उसके वारिशों को उस धन का कुछ प्रतिशत देकर बाकी सारा धन सरकार के पास जमा होना चाहिए। सैम पित्रोदा के इस बयान से कांग्रेस के नेताओं की सोच सामने आती है। वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी पूर्व में संपत्ति के पुर्नवितरण की वकालात कर चुके हैं। राहुल गांधी के इस बयान से मतदाता आशंकित है क्योंकि लोगों ने अपना खून पसीना बहाकर संपत्ति कमाई और ये उसे बांटने की बात करते है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने एससी, एसटी और ओबीसी के आरक्षण को खत्म करने के लिए धर्म के आधार पर आरक्षण की वकालात की है जबकि हमारी संविधान सभा ने धर्म आधारित आरक्षण को सिरे से खारिज किया था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कर्नाटक और अन्य जगहों पर कहा था कि कांग्रेस पार्टी ने वोट बैंक की राजनीति के चलते अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण का अतिक्रमण कर अल्पसंख्यकों को आरक्षण देने की वकालात की है। यह ना केवल संविधान निर्माताओं का अपमान है बल्कि अनुसूचित जाति जनजाति के लोगों के अधिकारों पर भी अतिक्रमण है।

प्रचार

सिरोही में बुधवार को कांग्रेस प्रत्याशी वैभव गहलोत के समर्थन में प्रचार करत पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत।

दूसरे चरण के लिए पुलिस के करीब 85 हजार अधिकारी एवं जवान सम्भालेंगे सुरक्षा का जिम्मा

जयपुर। राजस्थान में दूसरे चरण के 13 लोकसभा सीटों पर होने वाले चुनाव के लिये करीब 85 हजार अधिकारी एवं जवानों के अलावा केन्द्रीय सशस्त्र बल और विशेष सशस्त्र बल की 175 कम्पनियाँ, होमगार्ड के 18 हजार 400 तथा बोर्डर होमगार्ड के 1600 जवानों को फील्ड में तैनात किया गया है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) उत्कल रंजन साहू ने प्रदेश में शुक्रवार को लोकसभा चुनावों के द्वितीय चरण में 13 निर्वाचन क्षेत्रों में शांतिपूर्ण तरीके से अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की करते हुये कहा कि सभी मतदाता बिना किसी दबाव या प्रलोभन के निर्भय होकर जिम्मेदार नागरिक के रूप में लोकतंत्र के पर्व में अपनी भूमिका सजगता से निभायें। उन्होंने बताया कि द्वितीय चरण के लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 24 पुलिस जिलों के तहत 28 हजार 105 मतदान केन्द्र और 651 सहायक मतदान केन्द्र बनाये गये हैं। इन मतदान केन्द्रों में से क्रिटिकल और कानून एवं व्यवस्था की दृष्टि से संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस कर्मियों, होमगार्ड्स, आरएसी तथा केन्द्रीय सशस्त्र बलों के जवानों को निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार तैनात किया गया है।

राजस्थान में लोकसभा चुनाव में भाजपा के केन्द्र के 14 वरिष्ठ नेताओं ने किया प्रचार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में लोकसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित 14 राष्ट्रीय नेता एवं प्रदेश के 50 से अधिक नेताओं ने पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में चुनाव प्रचार किया।

भाजपा के लोकसभा चुनाव प्रदेश प्रभारी डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे ने बुधवार को यहां भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर प्रेसवार्ता में यह जानकारी दी। डा सहस्त्रबुद्धे ने बताया कि चुनाव प्रचार के गत 40 दिनों में मोदी, केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सहित केंद्र के 14 वरिष्ठ नेता प्रदेश में पार्टी उम्मीदवारों के समर्थन में विभिन्न सभाओं और अन्य आयोजनों में भाग लिया।

उन्होंने बताया कि इस दौरान केंद्रीय नेताओं की 37 सभाएं हुई और 10 रोड-शो आयोजित किए गए जबकि तीन पत्रकार वार्ता और 14 अन्य सम्मेलन आयोजित हुए वहीं इस दौरान प्रदेश स्तर के नेताओं में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सी पी जोशी, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी एवं प्रेम चंद बैरवा, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डा सतीश पूनिया, कैबिनेट मंत्री और अन्य मंत्रियों सहित 51 वरिष्ठ नेताओं ने चुनाव प्रचार की कमान संभाली।

उन्होंने बताया कि प्रचार के दौरान प्रदेश स्तरीय नेताओं की 144 सभाएं हुई जबकि 34 रोड- शो आयोजित किए गए और 73 अन्य सम्मेलन आयोजित हुए। यह काम केवल केंद्रीय या प्रदेश स्तरीय नेताओं तक सीमित नहीं था, हमारा हर कार्यकर्ता अपने-अपने बूथ पर पार्टी का प्रवक्ता बनकर काम कर रहा था और पार्टी के काम का हिसाब-किताब भी देता था। कार्यकर्ताओं ने मतदाताओं से मिलकर जनादेश के लिए प्रार्थना भी की है। उन्होंने कहा इस आधार पर हम कह सकते हैं कि हमने राजस्थान के सभी 25 लोकसभा क्षेत्रों को कवर करने की पूरी कोशिश की है।

उन्होंने कहा कि मोदी सहित हमारे राष्ट्रीय, प्रदेश, जिला, मंडल और बूथ स्तर के सभी कार्यकर्ता बहुत मेहनत करते है। भाजपा के कार्यकर्ता परिश्रम व प्रतिभा से लोकशिक्षण का प्रयास करते हैं, इसलिए हम कहते हैं कि हमारे कामों के आधार पर मतदाता को अपना निर्णय करना चाहिए। हम प्रबोधन और लोक शिक्षण को बहुत प्रधानता देते हैं।

उल्लेखनीय है कि गत 19 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के प्रथम चरण में 12 लोकसभा सीटों पर मतदान हो चुका है और 26 अप्रैल को शेष 13 सीटों पर मतदान होगा। दूसरे चरण के मतदान के लिए चुनाव प्रचार बुधवार शाम छह बजे थम गया।

चित्तौड़गढ़ संसदीय क्षेत्र में जोशी और आंजना के बीच सीधा मुकाबला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्तौड़गढ़। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष एवं चित्तौड़गढ़ संसदीय क्षेत्र से पार्टी प्रत्याशी चन्द्र प्रकाश जोशी इस बार लोकसभा चुनाव में जीत की हैट्रिक लगाने के लिए चुनाव मैदान में फिर अपना चुनावी भाग्य आजमा रहे हैं और उनका सीधा मुकाबला कांग्रेस प्रत्याशी उदय लाल आंजना से माना जा रहा है। इस क्षेत्र में लोकसभा के दूसरे चरण में छब्बीस अप्रैल को होने वाले चुनाव में इन दोनों प्रमुख दलों के प्रत्याशियों के अलावा भारतीय आदिवासी पार्टी (बीएपी) उम्मीदवार मांगी लाल निनामा, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के राधेश्याम मेघवाल, अखिल भारतीय कांग्रेस दल (अंबेडकर) के आजाद प्रकाश चन्द्र मेघवाल, एकाम संस्थान भारत दल के प्रकाश धाकड़, राइट टु रिकाल पार्टी महावीर प्रसाद कुमावत, पहचान पीपुल्स पार्टी के मोहम्मद वाहिद खान एवं विश्व शक्ति पार्टी के सीताराम अहीर एवं निर्दलीय उम्मीदवारों सहित 18 प्रत्याशी चुनाव मैदान में ताल ठोक रहे हैं।

इस संसदीय क्षेत्र में उदयपुर जिले की दो विधानसभा क्षेत्र मावली एवं वल्लभनगर तथा चित्तौड़गढ़ जिले की छह विधानसभा क्षेत्रों सहित आठ विधानसभा क्षेत्र आते हैं जहां मावली में कांग्रेस एवं वल्लभनगर में भाजपा का विधायक हैं जबकि शेष चार में भाजपा के विधायक है और चित्तौड़गढ में चंद्रभान सिंह आक्या निर्दलीय विधायक हैं।

चुनाव में जीत की हैट्रिक लगाने के लिए जोशी अपने चुनाव प्रचार में जी

जान से जुटे हुए हैं और निर्दलीय विधायक आक्या भी जोशी के साथ खड़े हैं। इस चुनाव में भाजपा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गांरटी और मोदी सरकार के दस साल की उपलब्धियों को लेकर जनता के बीच चुनाव प्रचार किया हैं। कांग्रेस उम्मीदवार आंजना वर्ष 1998 में कांग्रेस प्रत्याशी के रुप में इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और वह राज्य में मंत्री भी रहे हैं। कांग्रेस इस चुनाव में राज्य की पूर्ववर्ती गहलोत सरकार की उपलब्धियों एवं कांग्रेस की गारंटियों को लेकर जनता के बीच गई और अपना चुनाव प्रचार किया।

इस क्षेत्र में आजादी के बाद अब तक सत्रह लोकसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस दोनों दलों ने बराबर सात-सात बार बाजी मारी हैं जबकि दो बार जनसंघ एवं एक बार जनता पार्टी का उम्मीदवार चुनाव जीतकर संसद पहुंचा है। इस क्षेत्र से जोशी वर्ष 2014 एवं 2019 पिछले दोनों लोकसभा चुनाव जीतकर क्षेत्र में लगातार दस साल से प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और इस बार चुनाव में हैट्रिक लगाने का प्रयास कर रहे हैं। इस क्षेत्र में भाजपा का खाता वर्ष 1989 के चुनाव में पार्टी प्रत्याशी महेन्द्र सिंह मेवाड़ ने चुनाव जीतकर खोला और इसके बाद वर्ष 1991 एवं 1996 में पार्टी के जसवंत सिंह तथा 1999 एवं 2004 में श्रीचंदकृपलानी ने यहां भाजपा के सांसद रहे। पहले लोकसभा चुनाव वर्ष 1952 में जनसंघ के उमाशंकर त्रिवेदी ने जीता जबकि वर्ष 1957 का दूसरा लोकसभा चुनाव कांग्रेस के माणिक्य लाल वर्मा ने जीता। इसके बाद हुए इसके अगला 1962 का चुनाव में भी वर्मा ने जीत दर्ज कर क्षेत्र का दूसरी बार प्रतिनिधित्व किया।

विपक्षी दलों का गठबंधन परिवारवाद को बढ़ावा देने वालों व घोटालेबाजों का गठबंधन है : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भागलपुर/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' को ''घमंडिया'' बताते हुए बुधवार को आरोप लगाया कि यह परिवारवाद को बढ़ावा देने वालों और 'घोटालेबाजों' का गठबंधन है।

भागलपुर में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार अजय मंडल के पक्ष में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए नड्डा ने विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन पर प्रहार किया और दावा किया, इंडी' गठबंधन (विपक्षी दलों का गठबंधन 'इंडिया') सिर्फ दो बातों का गठबंधन है– पहला, परिवारवादी पार्टियों का गठबंधन है। दूसरा, भ्रष्टाचारियों को बचाने का गठबंधन है। उन्होंने आरोप लगाया कि जो लोग जिंदगी भर एक दूसरे का विरोध करते रहे आजकल गलबहियां करते घूम रहे हैं क्योंकि यह सभी भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे हुए हैं।

भाजपा नेता ने आरोप लगाया, फारूक अब्दुल्ला–उमर अब्दुल्ला, मुफ्ती मोहम्मद सईद–महबूबा मुफ्ती, सुखबीर बादल, चौटाला, अखिलेश–डिंपल, लालू–राबड़ी–तेजप्रताप–तेजस्वी–मीसा, ममता–अभिषेक के सीआर–के टीआर–कविता करुणानिधि–उदयनिधि–स्टालिन, शरद पवार–सुप्रिया, उद्धव ठाकरे–आदित्य ठाकरे, राहुल गांधी–सोनिया गांधी–प्रियंका गांधी की पार्टी परिवार के दल हैं। यह सब भ्रष्टाचारी पर्टियां हैं। उन्होंने दावा किया, कांग्रेस पार्टी ने कोयला घोटाला, पनडुब्बी घोटाला, 2जी घोटाला कॉमनवेल्थ

खेल घोटाला, अलकतरा घोटाला, अखिलेश ने लैपटॉप गोमती रिवर फ्रंट घोटाला, अनाज का घोटाला, ममता के मंत्रियों ने शिक्षक भर्ती घोटाला, कविता, अरविंद केजरीवाल ने शराब घोटाला और दवाई का घोटाला किया। ये सारे घोटालेबाज एक साथ मिल गए हैं। नड्डा ने कहा कि विपक्षी दलों के कई शीर्ष नेता ज़मानत पर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह 'घमंडिया' गठबंधन भ्रष्टाचारियों का और परिवार वालों का गठबंधन है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले लोगों की सोच थी कि कुछ नहीं बदलेगा,लेकिन 10 वर्षों में इस सोच में अंतर आया है कि आज भारत का साधारण व्यक्ति भी विकसित भारत के संकल्प के लिए साथ आकर खड़ा हो गया है। नड्डा ने कहा, बिहार राजनीतिक दृष्टि से बड़ा सजग है। कितनी भी तकलीफ सह लेगा लेकिन बिहार, देश के प्रति और प्रदेश के प्रति अपने दायित्व से पीछे नहीं हटता है। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस महामारी के चलते और यूक्रेन युद्ध के कारण दुनिया की अर्थव्यवस्था पिछड़ रही है, बावजूद इसके भारत ब्रिटेन को पीछे छोड़ दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। भाजपा प्रमुख ने कहा, आप मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाइए, देश दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। नड्डा ने कहा कि आज से 10 साल पहले, मोबाइल फोन दूसरे देशों में निर्मित होते थे लेकिन अब यह भारत में ही बनते हैं और इस प्रकार आज भारत आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आयुष्मान भारत योजना शुरू की गई है जिसके तहत हर साल पांच लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज मिल रहा है।

कांग्रेस का 'विरासत कर' मध्यम, आकांक्षी वर्ग को प्रभावित करेगा : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस पार्टी की विरासत कर लगाने की योजना से मध्य वर्ग और आकांक्षी वर्ग प्रभावित होगा। उन्होंने कहा कि अगर विरासत कर लगाया गया, तो ये वर्ग अपनी बचत अपने बच्चों को नहीं दे पाएंगे।

सीतारमण ने छत्तीसगढ़ में एक रैली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण का एक वीडियो क्लिप साझा करते हुए सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि अगर कांग्रेस सत्ता में आती है, तो 'संगठित लूट और वैधानिक लूट' देखने को मिलेगी। उन्होंने लिखा, कांग्रेस पार्टी की योजना है: जीवित रहते हुए कर – मरने के बाद कर (विरासत)। मध्य और आकांक्षी वर्ग को प्रभावित करने का लक्ष्य। उनकी बचत या छोटी जोत उनके बच्चों को नहीं दी जाएगी। इसमें लिखा गया है, डॉ एमएमएस (मनमोहन सिंह का हवाला देते हुए) संगठित लूट और वैधानिक लूट एक बार फिर देखी जाएगी। कांग्रेस का कर आतंकवाद।

कांग्रेस पार्टी ने बुधवार को खुद को विरासत कर मुद्दे से अलग करते हुए कहा कि इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन सैम पित्रोदा की टिप्पणियों को सनसनीखेज बनाया जा रहा है और संदर्भ से हटकर बात की जा रही है। अपनी टिप्पणी से विवाद खड़ा होने के बाद पित्रोदा ने एक्स पर कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अमेरिका में विरासत कर के बारे में निजी तौर पर मैंने जो कहा, उसे गोदी मीडिया ने तोड़–मरोड़ कर पेश किया है।

भाजपा के चुनावी बॉण्ड घोटाले ने बढ़ायी महंगाई : अखिलेश यादव

इटावा (उप्र)/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने देश में बढ़ती महंगाई के लिए सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को जिम्मेदार ठहराते हुए बुधवार को दावा किया कि भाजपा सरकार द्वारा उद्योगपतियों का 16 लाख करोड़ रुपए का कर्ज माफ करने और उनकी कंपनियो से चुनावी बॉण्ड की आड़ में 'वसूली' किए जाने की वजह से देश को महंगाई का सामना करना पड़ रहा है।

यादव ने इटावा में आयोजित 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, जिस तरीके से चुनावी बॉण्ड का खुलासा हुआ है... चंदा पांच–दस रुपए, एक हजार रुपए, 10 हजार रुपए हो सकता है। कोई बहुत संपन्न है तो एक या दो लाख रुपए चंदा दे देगा लेकिन कोई भी एक हजार करोड़ रुपए, 600 करोड़ या 500 करोड़ रुपए चंदा नहीं देगा। उन्होंने आरोप लगाया, भाजपा के लोगों ने जो चंदा लिया, इसे चंदा कहना ही गलत है। भाजपा ने वसूली की है और शायद इतनी वसूली इतिहास में किसी और ने नहीं की होगी। सपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया, भाजपा ने पैसा इकट्ठा किया और उद्योगपतियों का कर्ज माफ कर दिया। भाजपा अब तक उद्योगपतियों के 16 लाख करोड़ रुपए माफ कर चुकी है। उन्होंने कहा, बड़े–बड़े ताकतवर लोग, जिन्होंने इनका (भाजपा) साथ दिया, उनका कर्ज माफ कर दिया गया।

लोगों का धन लेने के कांग्रेस के नापाक मंसूबे को उजागर कर दिया है पित्रोदा ने : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा के बयान को लेकर विपक्षी पार्टी पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि उन्होंने आम जनता की संपदा छीन लेने के कांग्रेस के 'नापाक मंसूबे' को उजागर कर दिया है। 'इंडियन ओवरसीज कांग्रेस' के अध्यक्ष पित्रोदा ने कांग्रेस के घोषणापत्र में 'संपदा के पुन: वितरण' के मुद्दे पर बात करते हुए 'अमेरिका में विरासत कर' का उल्लेख किया था। इसके बाद भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधना शुरू कर दिया।

पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, सैम पित्रोदा ने कांग्रेस के नापाक मंसूबे को विस्तार से बताया है। हम बचत आधारित अर्थव्यवस्था हैं। भारत में (एक परिवार की) एक पीढ़ी कड़ी मेहनत करके कमाती है। दूसरी पीढ़ी उसे आगे बढ़ाती है और फिर तीसरी पीढ़ी को कुछ आराम मिलता है। उन्होंने आरोप लगाया, कांग्रेस लोगों से खुशी और शांति छीन लेना चाहती है। सैम पित्रोदा सोने पर कर लगाने की बात कर रहे हैं। त्रिवेदी ने कहा, भारत में लोग बचत के रूप में सोना खरीदते हैं और गरीब लोग भी कहते हैं कि सोना होना चाहिए। और आप चाहते हैं कि उस (सोने) पर 45 प्रतिशत कर लगाया जाए। कांग्रेस ने पित्रोदा के बयान से दूरी बनाते हुए आरोप लगाया कि उनकी टिप्पणियों को सनसनीखेज बनाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दुर्भावनापूर्ण प्रचार अभियान से ध्यान हटाने की कोशिश की जा रही है।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा, कांग्रेस के घोषणापत्र का 'एक्स–रे' करने के बाद प्रौद्योगिकी के बड़े जानकार सैम पित्रोदा ने साफ किया है कि देश की जनता की जान और माल दोनों खतरे में हैं। आप लोगों से उनकी संपत्ति छीन लेना चाहते हैं। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि कांग्रेस का घोषणापत्र विदेशी ताकतों से प्रभावित है। त्रिवेदी ने आरोप लगाया, समझिए कि खतरा कितना बड़ा है। 'इंडिया' गठबंधन में प्रमुख सहयोगी कम्युनिस्ट पार्टी कहती है कि वह भारत के परमाणु आयुधों को समाप्त कर देगी और कांग्रेस कहती है कि वह आपसे वो धन और अन्न ले लेगी जो आपने घर पर रखा है। पित्रोदा की टिप्पणी पर जब विवाद शुरू हो गया तो उन्होंने 'एक्स' पर कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अमेरिका में विरासत कर के बारे में एक व्यक्ति के रूप में मैंने जो कहा था, उसे गोदी मीडिया ने तोड़–मरोड़ पेश किया है, ताकि कांग्रेस के घोषणापत्र के बारे में प्रधानमंत्री जो झूठ फैला रहे हैं, उससे ध्यान भटकाया जा सके। मंगल सूत्र और सोना छीनने के संबंध में प्रधानमंत्री की टिप्पणियां बिल्कुल अवास्तविक है। मैंने टेलीविजन पर सामान्य बातचीत में उदाहरण के रूप में केवल अमेरिका में अमेरिकी विरासत कर का उल्लेख किया था। क्या मैं तथ्यों को नहीं रख सकता। मैंने कहा कि लोगों को इस तरह के मुद्दों पर बातचीत और बहस करनी होगी।

प्रधानमंत्री मोदी हताश, अदृश्य मतदाताओं से डरते हैं : कांग्रेस अध्यक्ष खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान से दो दिन पहले कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हताश हैं और अदृश्य मतदाताओं से डरे हुए हैं जो प्रमुख विपक्षी दल का समर्थन करते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी पर वोट पाने के लिए सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का आरोप लगाया है।

खरगे ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में मोदी से सवाल करते हुए कहा कि यदि भारतीय जनता पार्टी को लोकसभा चुनावों में अपनी जीत पर इतना ही भरोसा था और कांग्रेस कुछ नहीं है तो प्रधानमंत्री उसे लेकर चिंतित क्यों हैं। उन्होंने कांग्रेस के खिलाफ 'मंगलसूत्र' का संदर्भ देने पर मोदी की आलोचना की और कहा कि पार्टी के नेताओं ने देश के लिए जीवन जिया है और बलिदान दिया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने सवाल किया कि क्या भाजपा–आरएसएस के किसी नेता ने कभी देश के लिए बलिदान दिया है और तो और उन्होंने राष्ट्रीय आंदोलन में भी भाग नहीं लिया।

खरगे ने कहा, चुनाव के लिए मोदी जी लोगों से झूठ बोल रहे हैं कि उनका मंगलसूत्र सुरक्षित नहीं रहेगा। कांग्रेस ने इस देश पर 55 वर्ष तक शासन किया। क्या ऐसा एक बार भी हुआ है?

कांग्रेस नेताओं द्वारा किए गए बलिदानों के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी ने 1962 के युद्ध के दौरान अपने आभूषण दान कर दिए थे, जबकि मोतीलाल नेहरू और जवाहरलाल नेहरू ने स्वतंत्रता आंदोलन के लिए अपने घर दान कर दिए थे। उन्होंने कहा कि पहले चरण का मतदान संपन्न होने के बाद कांग्रेस को काफी उम्मीदें हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि वह लगभग 10 से 12 राज्यों का दौरा कर चुके हैं और पार्टी को वहां मतदाताओं से बेहद अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है।

खरगे ने यहां संवाददाताओं से कहा, मुझे खामोश लहर की उम्मीद है। मैं कह सकता हूं कि यह खामोश लहर (अंडरकरंट) दिखाई नहीं दे रही है लेकिन मोदी जी इन मौन मतदाताओं से डरते हैं और यही कारण है कि वह हमेशा कांग्रेस की आलोचना करते रहते हैं।

वरिष्ठ नेता ने पूछा, अगर भाजपा को इस बार 400 सीट जीतने का इतना ही भरोसा है तो वह भ्रष्ट लोगों का अपने पाले में स्वागत क्यों कर रही है? उन्होंने कहा, आप (भाजपा) एक तरफ कहते हैं कि मोदी भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं करते। फिर आप खरीद–फरोख्त करते हैं...खरीद–फरोख्त करने के बजाय मैं कहूंगा कि आपने लगभग 444 विधायकों को लालच दिया, फिर चाहे वे किसी भी पार्टी के हों।

खरगे ने आरोप लगाया कि भाजपा ने अतीत में मुख्यमंत्रियों, ठेकेदारों और अन्य लोगों सहित 23 बड़े लोगों को पार्टी में शामिल किया और जैसे ही वे भाजपा का हिस्सा बने 'वे पाक–साफ हो गए'।

भाजपा को संतुष्ट करने के लिए सात चरण में लोकसभा चुनाव कार्यक्रम : ममता बनर्जी

औसग्राम (पश्चिम बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को सवाल किया कि देश भर में भीषण गर्मी के बीच लोकसभा चुनाव सात चरणों में क्यों कराए जा रहे हैं। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि आम चुनाव का कार्यक्रम भाजपा को संतुष्ट करने के लिए बनाया गया है। बोलपुर सीट से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार असित मल के लिए एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पार्टी प्रमुख ने दावा किया, पहले, चुनाव प्रक्रिया 2 या 3 मई तक समाप्त हो जाती थी, लेकिन इस साल गंभीर मौसमी स्थितियों के बीच उन्होंने इसे तीन महीने तक खींच दिया है। बनर्जी ने कहा, निर्वाचन आयोग ने भाजपा को संतुष्ट करने के लिए तीन महीने के लिए चुनाव की योजना बनाई है। उन्होंने यह भी कहा कि उनका मकसद लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराना है।

त्रिपुरा में बिना बिजली वाले दूरदराज के एक गांव में चुनाव है महज खानापूर्ति

चावमानु (त्रिपुरा)/भाषा। त्रिपुरा में धलाई जिले के दूरदराज के गांव विद्या कुमार रोअजा पाड़ा में रहने वाले 'झुमिया' (जगह जगह पर कृषि कार्य करने वाले) किसान बिक्रमजॉय त्रिपुरा का कहना है कि नेता चुनाव के दौरान उनके गांव में आते हैं और विकास का वादा करते हैं, पर कोई वादा पूरा नहीं करते। इसके बावजूद वह हर बार इस उम्मीद में मतदान करते हैं कि उन्हें अपने घर पर बिजली और मोबाइल फोन 'कनेक्टिविटी' की सुविधा मिलने लगेगी। धलाई जिला मुख्यालय अंबासा से लगभग 62 किमी दूर स्थित इस गांव की मुख्य समस्या आवागमन एवं संपर्क है, क्योंकि प्रखंड मुख्यालय चावमानु से गांव तक मोटर वाहन के लिए उपयुक्त सड़क नहीं है। उन्होंने इस सुदूरवर्ती गांव का दौरा करने वाले 'पीटीआई–भाषा' के संवाददाता से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि उनके गांव में बिजली, मोबाइल फोन सम्पर्क या स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं नहीं है। बिक्रमजॉय (41) ने कहा, लोकसभा चुनाव आ रहा है और हम सभी 26 अप्रैल को मतदान करेंगे, लेकिन यह हमारे लिए पांच साल में एक बार होने वाली खानापूर्ति बनकर रह जाएगा।

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का भविष्य बंगाल में तृकां के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा : अभिषेक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने बुधवार को कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का भविष्य काफी हद तक लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में उनकी पार्टी के प्रदर्शन पर निर्भर करता है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने जंगीपुर लोकसभा क्षेत्र के रघुनाथगंज में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि चार जून को नतीजे देखकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 'आश्चर्यचकित' हो जाएगी और दिल्ली में एक ''लोकतांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष सरकार'' बनेगी। उन्होंने कहा, विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) का भविष्य काफी हद तक इस बात पर निर्भर करता है कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस कैसा प्रदर्शन करती है... भाजपा चार जून को (लोकसभा चुनाव के) नतीजे देखकर हैरान रह जाएगी।

राष्ट्रीय स्तर पर 'इंडिया' गठबंधन के सहयोगी दलों कांग्रेस और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) पर निशाना साधते हुए डायमंड हार्बर से सांसद ने दावा किया कि जब राहुल गांधी और सोनिया गांधी विपक्षी गठबंधन के गठन के लिए तृणमूल कांग्रेस का समर्थन मांग रहे थे, तब इन दलों की पश्चिम बंगाल इकाई के नेता मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को अपशब्द कह रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया, मुझे अच्छी तरह से याद है कि जब सोनिया गांधी और राहुल गांधी मुंबई में 'इंडिया' गठबंधन को मजबूत करने के लिए तृणमूल कांग्रेस का समर्थन मांग रहे थे, तो कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई के नेता अधीर रंजन चौधरी और माकपा के मोहम्मद सलीम मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ बोल रहे थे। उन्होंने कांग्रेस और माकपा पर महंगाई, नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) या राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) जैसे मुद्दों पर आवाज नहीं उठाने और भाजपा की ''बी–टीम'' के रूप में काम करने का आरोप लगाया।

अमेठी में लगे रॉबर्ट वाद्रा के समर्थन में पोस्टर, कांग्रेस ने साजिश बताया

अमेठी (उप्र)/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के अमेठी लोकसभा सीट से भी चुनाव लड़ने को लेकर जारी अनिश्चितता के बीच अमेठी के विभिन्न स्थानों पर उनके जीजा रॉबर्ट वाद्रा के समर्थन में पोस्टर लगाए गए। कांग्रेस ने इसे विरोधियों द्वारा 'भ्रम' पैदा करने की साजिश करार दिया है।

अमेठी स्थित कांग्रेस के केंद्रीय कार्यालय समेत कई जगहों पर मंगलवार रात वाद्रा के समर्थन में पोस्टर लगाए गए, जिन पर लिखा था, अमेठी की जनता करे पुकार, रॉबर्ट वाद्रा अबकी बार।

चुनाव आते ही प्रधानमंत्री ध्रुवीकरण और विभाजन की पुरानी पटकथा पर लौट आए : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चुनाव आते ही एक बार फिर से ध्रुवीकण और विभाजन की पुरानी पटकथा की ओर लौट आए हैं तथा उनमें अपनी सरकार के कामकाज पर चुनाव लड़ने का विश्वास नहीं है। पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया शीनेत ने कहा कि वह प्रधानमंत्री का धन्यवाद करती है कि उन्होंने अपने 'झूठ एवं दुष्प्रचार' के जरिये कांग्रेस के घोषणापत्र को घर–घर तक पहुंचा दिया। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, चुनाव आया तो हमें लगा कि बड़े–बड़े मुद्दों पर बातें होंगी, भयावह बेरोजगारी और महंगाई पर चर्चा होगी। लेकिन सारे मुद्दे धरे रह गए। इस देश के प्रधानमंत्री ने वही 'स्क्रिप्ट' उठाई जो वे 2002 से पढ़ रहे हैं– 'ध्रुवीकरण, विभाजन, डर और संशय की स्क्रिप्ट।

सुप्रिया ने दावा किया कि इस देश के प्रधानमंत्री को अपनी सरकार और पार्टी के ऊपर इतना भरोसा नहीं रहा कि मुद्दों पर बात कर चुनाव लड़ सकें। उन्होंने कहा, मोदी जी को कांग्रेस के घोषणापत्र से बड़ी समस्या है। लेकिन.. मैं आपको थैंक्यू बोलना चाहूंगी, क्योंकि आपके झूठ और दुष्प्रचार ने कांग्रेस के घोषणापत्र को घर–घर तक पहुंचा दिया है। नरेन्द्र मोदी जी को हमारे घोषणापत्र में जातिगत जनगणना की बात से बड़ा दर्द हो रहा है। आर्थिक और सामाजिक गणना से तकलीफ हो रही है। उन्होंने सवाल किया, इसलिए आज मैं नरेन्द्र मोदी जी से पूछना चाहती हूं..क्या गरीबों की बात करना गलत है? गरीबों की भलाई से आपको क्या दिक्कत है?

सुप्रिया ने दावा किया, नरेन्द्र मोदी जी ने इन 10 वर्षों में 'दो भारत' बनाए हैं। एक भारत– जहां सब्जीवाला महंगाई के कारण रोते हुए कहता है, मेरा गुजरा नहीं हो रहा। दूसरा भारत– जहां चकाचौंध है, जो मोदी पर फिदा है, मोदी का वंदन करता है। उन्होंने आरोप लगाया, नरेन्द्र मोदी जी, आपने गरीबों का कुछ भला नहीं किया। आपने गरीबों को कोविड में चिलचिलाती धूप में पैदल चलने को मजबूर किया। कोविड में गरीबों को दवाई और ऑक्सीजन के लिए दर–दर भटकाया। गरीबों को हवाई जहाज में बैठने का झूठा सपना दिखाया। एकाधिकार बनाया और छोटे लघु उद्यम बंद करा दिए।

भारत फीफा विश्व कप क्वालीफायर मैचों से पहले भुवनेश्वर में तैयारी शिविर लगाएगा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय फुटबॉल टीम कुवैत और कतर के खिलाफ फीफा विश्व कप 2026 क्वालीफायर के दूसरे दौर के अपने महत्वपूर्ण मैच से पहले 10 मई से भुवनेश्वर में चार सप्ताह का अभ्यास शिविर लगाएगी। भारतीय टीम छह जून को साल्ट लेक स्टेडियम में कुवैत के खिलाफ होने वाले मैच के लिए दो जून को कोलकाता जाएगी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने बुधवार को ट्वीट किया, भारत की सीनियर पुरुष राष्ट्रीय टीम का 10 मई 2024 से भुवनेश्वर, ओडिशा में चार सप्ताह का तैयारी शिविर लगेगा। उन्होंने लिखा, कुवैत के खिलाफ फीफा विश्व कप क्वालीफायर से पहले टीम दो जून को कोलकाता जाएगी! भारतीय टीम का लक्ष्य पिछले महीने गुवाहाटी में अफगानिस्तान से मिली 1–2 की शर्मनाक हार से उबरना होगा। 'ब्लू टाइगर्स' (भारत) चार मैचों में इतने अंकों के साथ अपने ग्रुप में दूसरे स्थान पर है। छह मैचों के बाद दो टीमें तीसरे दौर में पहुंचेंगी। कुवैत का सामना करने के बाद, भारत 11 जून को ग्रुप चरण के आखिरी मैच के लिए कतर की यात्रा करेगा।

राहुल के खिलाफ अभियान चलाने के लिए धन और मीडिया का इस्तेमाल करती है भाजपा : प्रियंका वाद्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड (केरल)/भाषा। कांग्रेस नेता प्रियंका वाद्रा ने बुधवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उनके भाई राहुल गांधी को बदनाम करने के लिए अभियान चलाने में धन और मीडिया का इस्तेमाल करती है।

वायनाड लोकसभा क्षेत्र में राहुल गांधी के लिए जोरदार तरीके से प्रचार कर रहीं प्रियंका ने कहा कि पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने इस तरह के अपशब्दों पर विनम्रता और गरिमापूर्ण तरीके से प्रतिक्रिया दी है।

प्रियंका ने इस लोकसभा क्षेत्र के निलांबुर में एक नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए कहा, इस देश में किसी अन्य राजनेता या किसी अन्य नेता का मेरे भाई की तरह अपमान नहीं किया गया, किसी के साथ ऐसा दुर्व्यवहार नहीं किया गया और किसी के बारे में इस तरह झूठ नहीं बोला गया।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने राहुल को बदनाम करने और देश को उनके बारे में हर तरह की झूठी चीजें दिखाने के लिए

'अपने पूरे धन बल और मीडिया तथा अपनी पूरी ताकत के साथ' अभियान चलाया है।

प्रियंका ने कहा कि राहुल गांधी ने घुटने में गंभीर परेशानी होने के बावजूद 'भारत जोड़ो यात्रा' में कन्याकुमारी से कश्मीर तक की यात्रा की जिसका एकमात्र मकसद देश की जनता को यह याद दिलाना था कि 'हम एक हैं'।

कामबलक्कड और निलांबुर में अपने भाषणों में प्रियंका ने पिछले पांच साल में वायनाड संसदीय क्षेत्र के लिए राहुल द्वारा किए गए कार्यों का भी उल्लेख किया।

सुविचार

अगर जिंदगी इतनी अच्छी होती तो हम रोते हुए नहीं आते, पर अगर जिंदगी बुरी होती तो हम लोगों को रुलाते हुए नहीं जाते।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

देश और परिवेश

चुनावी मौसम में 'तिल का ताड़' बनते देर नहीं लगती, इसलिए वरिष्ठ नेताओं को कोई भी बयान देते समय बहुत सावधानी बरतनी चाहिए। वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान के बाद 'संपत्ति के बंटवारे संबंधी' जो बहस शुरू हुई, वह किसी और ही दिशा में जाती दिख रही है। 'सोने पे सुहागा' यह कि इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने अमेरिका में 'विरासत पर कर' का जिक्र कर दिया! पहले, चुनावों में मणिशंकर अय्यर, दिग्विजय सिंह जैसे 'दिग्गज' नेता ऐसे शब्दबाण छोड़ते थे, जो घूमकर कांग्रेस की ही ओर लौट आते थे। अब सैम पित्रोदा का बयान भी वही काम करता नजर आ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'संपत्ति मामले में' जिस अंदाज़ में कांग्रेस पर प्रहार कर रहे हैं, उस दौरान अपनी पार्टी को ताकत देने के बजाय सैम पित्रोदा ने अलग ही मोर्चा खोल दिया, जिसके बाद कांग्रेस नेताओं को स्पष्टीकरण देना पड़ रहा है। सैम पित्रोदा ने अमेरिका में लगने वाले 'विरासत पर कर' के बारे में जो जानकारी दी, उसकी कोई जरूरत नहीं थी, खासकर तब, जब लोकसभा चुनाव चल रहे हों और 'संपत्ति' का मुद्दा गरम हो। सैम पित्रोदा ने जो बयान दिया, हो सकता है कि उससे जुड़ी खबर पढ़ने-सुनने के बाद भारत में बहुत लोग यह समझें कि कांग्रेस यहां इसे लागू करने का इरादा रखती है! संपत्ति संबंधी मामले बड़े संवेदनशील होते हैं। भले ही सैम पित्रोदा अपने 'एक्स' अकाउंट पर अंग्रेज़ी में लिखें- 'किसने कहा कि 55 प्रतिशत छीन लिया जाएगा? किसने कहा कि भारत में ऐसा कुछ होना चाहिए?' यहां बड़ा सवाल यह है कि गांव-देहात में कितने लोग अंग्रेज़ी में लिखे इस स्पष्टीकरण को पढ़ेंगे?

प्राय: कुछ 'बुद्धिजीवी' भारतीय समाज की सभी समस्याओं का समाधान अमेरिका की नीतियों में देखते हैं। उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत और अमेरिका के बीच सामाजिक और सांस्कृतिक स्तर पर बहुत अंतर है। दोनों देशों में खानपान, रहन-सहन, मान्यताओं में काफी असमानताएं हैं। इसलिए अगर अमेरिकी जनजीवन से जुड़ा कोई उदाहरण दें तो इन बिंदुओं को नहीं भूलना चाहिए। भारत में आज़ादी के बाद उद्योग-धंधों को पर्याप्त प्रोत्साहन नहीं मिला। युवाओं के दिलो-दिमाग में यह बात बैठाई गई कि सरकारी नौकरी करना ही जीवन का उद्देश्य होना चाहिए। कारोबारी वर्ग का फिल्मों में ग़लत चित्रण किया गया। अब अगर सैम पित्रोदा यह कह रहे हैं कि 'अमेरिका में विरासत पर कर लगता है। यदि किसी के पास 100 मिलियन डॉलर की संपत्ति है और जब उसकी मृत्यु हो जाती है तो वह अपने बच्चों को केवल 45 प्रतिशत हस्तांतरित कर सकता है, 55 प्रतिशत सरकार द्वारा ले लिया जाता है', तो वह युवा, जो अपना कारोबार करना चाहता है या कारोबार कर रहा है, उसके मन में (चुनावी मौसम में) सबसे पहला सवाल यही आएगा- 'कहीं मेरे साथ तो ऐसा नहीं हो जाएगा?' अगर सैम पित्रोदा यह उदाहरण दे ही रहे थे तो साथ ही इतना जरूर कह देते कि 'भारत और अमेरिका, दो अलग-अलग राष्ट्र और संस्कृतियां हैं ... लिहाजा हमें भारत की सामाजिक मान्यताओं और आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर ही कोई कदम उठाना चाहिए!' इससे कांग्रेस को यह कहना नहीं पड़ता कि 'इसका यह मतलब नहीं है कि पित्रोदा के विचार हमेशा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थिति को दर्शाते हैं। कई बार वे ऐसा नहीं करते।' और न ही मोदी को कांग्रेस पर हमला बोलने का एक और मौका मिलता। वरिष्ठ नेताओं को चाहिए कि वे देश और परिवेश को ध्यान में रखकर ही किसी बड़े मुद्दे से संबंधित सुझाव दें।

भारत में आज़ादी के बाद उद्योग-धंधों को पर्याप्त प्रोत्साहन नहीं मिला। युवाओं के दिलो-दिमाग में यह बात बैठाई गई कि सरकारी नौकरी करना ही जीवन का उद्देश्य होना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

पंचायती राज दिवस देश में लोकतंत्र के जमीनी स्तर पर मजबूत होने का प्रतीक है। महात्मा गांधी के सपनों के अनुरूप ग्राम स्वराज की अवधारणा को सशक्त करते हुए स्थानीय स्वशासन की देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका है।

-ओम बिरला

प्रसिद्ध अभिनेत्री और हिमाचल प्रदेश के मंडी लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी सुश्री कंगना रनौत जी ने मंगलवार रात जोधपुर में भव्य रोड शो कर देवतुल्य मतदाताओं से पार्टी के पक्ष में मतदान का आग्रह किया। उनका साथ मेरे परिवार के सदस्यों, कार्यकर्ता बहनों-भाइयों ने दिया।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

बाबा साहब ने देश के पहले आम चुनाव 1952 में लोकसभा का चुनाव लड़ा। कांग्रेस ने न सिर्फ उनके खिलाफ उम्मीदवार उतारा था बल्कि, खुद नेहरू जी बाबा साहब को हराने के लिए उनके खिलाफ प्रचार करने के लिए पहुँच गए थे।

-अर्जुनराम मेघवाल

प्रेरक प्रसंग

देवगुरु और देवराज

मध्यप्रदेश जब राज्य बना तब प्रश्न उठा कि किस नेता को प्रथम मुख्यमंत्री पद की बागडोर सौंपी जाये? किसी एक नाम पर सर्वसम्मति नहीं बनी। तीन नाम उभर कर सामने आये- पहला पंडित माखनलाल चतुर्वेदी, दूसरा पंडित रविशंकर शुक्ल और तीसरा पंडित द्वारका प्रसाद मिश्रा। कागज़ के तीन टुकड़ों पर ये नाम अलग-अलग लिखे गए। तीनों पुड़ियां आपस में खूब फेंटी गयी, फिर एक पुड़िया निकाली गयी जिस पर पंडित माखनलाल चतुर्वेदी का नाम अंकित था। इस प्रकार तय पाया गया कि वे नवगठित मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री होंगे। तत्कालीन दिग्गज नेता माखनलाल जी के पास दौड़ पड़े। सबने उन्हें इस बात की सूचना और बधाई भी दी कि अब आपको मुख्यमंत्री के पद का कार्यभार संभालना है। पंडित माखनलाल चतुर्वेदी ने सबको लगभग डांटते हुए कहा कि मैं पहले से ही शिक्षक और साहित्यकार होने के नाते 'देवगुरु' के आसन पर बैठा हूं। मेरी पदावनति करके तुम लोग मुझे 'देवराज' के पद पर बैठाना चाहते हो जो मुझे पूरी तरह अस्वीकार्य है। उनकी इस असहमति के बाद रविशंकर शुक्ल को नवगठित प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया गया।

सामयिक

ईवीएम पर बंद हो राजनीति

अवधेश कुमार

आशा की जानी चाहिए कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन या ईवीएम से संबंधित उच्चतम न्यायालय का आगामी आदेश अंतिम होगा। न्यायालय ने सुनवाई के दौरान जैसी टिप्पणियां की एवं याचिकाकर्ता से तीखे प्रश्न किया उनसे अनुमान लगाया जा सकता है कि फैसला क्या होगा। पिछले महीने ही उच्चतम न्यायालय ने ईवीएम से संबंधित दो याचिकाएं खारिज की थी। न्यायालय ने एक याचिकाकर्ता पर 50 हजार का जुर्माना भी लगाया था। वस्तुत: उच्चतम न्यायालय ईवीएम से संबंधित 40 याचिकाएं अभी तक खारिज कर चुका है। सामान्यत: यह बात समझ में नहीं आती कि चुनाव आयोग के साथ विश्वसनीय विशेषज्ञ द्वारा बार-बार स्पष्ट करने के बावजूद कि ईवीएम से न छेड़छाड़ हो सकती है न ही इसे हैक किया जा सकता है इसके द्वारा चुनाव न कराने का अभियान क्यों लगातार जारी है? उच्चतम न्यायालय में भी इस पर बहसें हो चुकीं हैं, फैसले आ चुके हैं। उच्च न्यायालयों ने दो दर्जन से ज्यादा इस पर फैसले दिए हैं। सभी में न्यायालय ने चुनाव आयोग के इस दावे को स्वीकार किया है कि ईवीएम से मतदान कराया जाना सुरक्षित और विश्वसनीय है। तो फिर ऐसा क्यों हो रहा है?

यह स्वीकार करने में कोई आपत्ति नहीं कि ईवीएम एवं भारतीय राजनीति की विडंबनाओ का शिकार हो चुका है। इसी ईवीएम से जब राज्यों में विपक्ष जीतता हैं या 2004 एवं 2009 में यूपीए की सरकार गठन में इसका योगदान होता है तो वर्तमान विरोधी प्रश्न नहीं उठाते। हालांकि भाजपा की ओर से भी एक समय ईवीएम को इस अविश्वसनीय बनाने की कोशिश हुई थी किंतु बाद में उसने इस अध्याय को पूरी तरह बंद कर दिया। ऐसा लगता है जैसे भारत के संपूर्ण लोकतंत्र और व्यवस्था को ही आम लोगों से लेकर संपूर्ण विश्व की दृष्टि में संदिग्ध ,अविश्वसनीय और साखविहीन साबित कर देने का सोचा समझा अभियान चल रहा हो। कल्पना करिए , अगर भारत सहित दुनिया भर में लोगों के एक बड़े समूह के अंदर यह बात बिठा दिया जाए कि भारत के सत्तारूढ़ पार्टी और गठबंधन ईवीएम में छेड़छाड़ कर चुनाव जीतता है जबकि उसे जनता वोट नहीं देती तो हमारी क्या छवि बनेगी? भारत का संसदीय लोकतंत्र, यहां का स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव विश्व के लिए एक बड़ा उदाहरण है। विश्व भर के टिप्पणीकार, विश्लेषक, राजनेता बताते हैं कि भारत जैसे विविधताओं वाले देश में इतने भारी मतदाताओं का मतदान संपन्न कराकर लोकतंत्र का चक्र बनाए रखना अद्भुत सफलता है।

यही सच भी है। अनेक देशों ने हमारे चुनाव आयोग और एवं का सहयोग लेकर अपने यहां भी चुनाव संपन्न कराए हैं। लेकिन हमारे यहां के राजनीतिक दल, उनसे जुड़े वकील, कुछ एक्टिविस्ट, एकेडमिशियन, एक्टिविस्ट वकीलों का एक बड़ा वर्ग ईवीएम के विरुद्ध किसी न किसी तरह न्यायालय का उपयोग करते हुए या अन्य माध्यमों से अपना अभियान चलाते रहते हैं। हमने देखा कि 2019 के चुनाव के पहले लंदन से लेकर अमेरिका जैसे देशों में भारत के ईवीएम को लेकर डेमो हो रहा है, बयान दिए जा रहे हैं। अधिवक्ता कपिल सिब्बल और काफी लोग इसके लिए लंदन गए थे। अलग-अलग देशों में इसे लेकर गोष्ठियां हो रहीं हैं और वहां से बताया जा रहा है कि ईवीएम संदिग्ध है और छेड़छाड़ इसमें संभव है। कुछ ने तो बाजाब्ता चुनावी आंकड़ों से साबित कर दिया कि यह विजय वास्तविक नहीं ईवीएम की है। यह बात अलग है कि चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों को जब भी चुनौती दी कि आइए, हमारे समक्ष एवं से छेड़छाड़ साबित करिए तो कोई नहीं गया। जिस आम आदमी पार्टी के नेता पत्रकार वार्ता में

एक नकली ईवीएम लेकर इसमें छेड़छाड़ साबित कर रहे थे वह भी चुनाव आयोग तक नहीं पहुंचे। साफ है कि इसके संबंध में जो भी आशंकाएं उठाई गई वो निराधार हैं।

वर्तमान मामले में ही अलग-अलग तरह के तर्क दिए गए। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की ओर से प्रस्तुत याचिका में वकील प्रशांत भूषण ने एक प्रस्तुति भी दी जिसमें साबित किया गया कि ईवीएम विश्वसनीय प्रणाली नहीं है और हमें मत पत्रों से चुनाव की ओर लौटना चाहिए। उन्होंने यह भी विकल्प दिया कि अगर ईवीएम से करना ही है तो वीवी पेट की बनावट ऐसी हो कि उसमें से हर मतदाता को उनके वोट की पर्ची मिल जाए। जब उन्होंने पश्चिम जर्मनी का उदाहरण दिया तो उच्चतम न्यायालय ने पूछा कि वहां की आबादी कितनी है। सच है कि 7-8करोड़ आबादी वाले देश का उदाहरण 98 करोड़ से ज्यादा मतदाता वाले देश के संदर्भ में देना स्वीकार नहीं हो सकता। न्यायालय ने स्पष्ट कहा कि मत पत्रों से मतदान के दौरान क्या होता था यह हमें याद है और बताने की आवश्यकता नहीं। इसी तरह न्यायालय ने यह भी टिप्पणी की कि समस्या मशीन में नहीं है समस्या मानवीय व्यवस्था में होती है। वास्तव में चुनाव में कदाचार, भ्रष्टाचार आदि मनुष्य के द्वारा ही किए जाते रहे हैं। आप अलग प्रकार के प्रलोभनों या भय से लोगों को मतदान देने के लिए प्रेरित या विवश करते है तो ईवीएम में भी वह मतदान पवित्र नहीं माना जा सकता। इसलिए मूल बात मान चुनाव के दौरान पार्टियों के साथ सरकारी तंत्र एवं आम मतदाताओं के नैतिक और ईमानदार व्यवहार की है।

समस्या यह है कि राजनीतिक दल अपना जनाधार खोने और जनता द्वारा समर्थन न मिलने के कारणों को समझने की बजाय यह मन कर चल रहे हैं कि भाजपा ने चुनाव आयोग को नियंत्रण में ले लिया है और उसके माध्यम से ईवीएम में छेड़छाड़ कर कर चुनाव जीत रही है। आप देखेंगे कि भारत में भाजपा विरोधियों द्वारा शासन के हर अंग पर सवाल उठाए जा रहे हैं और बड़े-बड़े नेता सरेआम चुनाव आयोग ही नहीं न्यायालय और प्रशासन को कठघरे में खड़ा करने की सीमा तक चले जाते हैं। यह पूरी व्यवस्था और संपूर्ण तंत्र को संदेहास्पद बनाने का डरावना व्यवहार है। ईवीएम विरोधी अभियान को भी इसी दुखद और चिंताजनक प्रवृत्ति का अंग माना जा सकता है। हालांकि 2014 का चुनाव यूपीए सरकार के कार्यकाल में ही हुआ था। उस समय नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे और भाजपा पार्टी के रूप में न इतनी प्रभावी थी और न ऐसी हैसियत रखती थी जितनी आज है। उसके पहले 2013 में मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भी उसे व्यापक सफलता मिली थी। अच्छा हो कि उच्चतम न्यायालय इस पर अंतिम फैसला और मत दे दे ताकि अब इस विवाद को आगे न बढ़ाया जाए। समस्या यह है कि हमारे देश के एक्टिविस्टों का एक समूह तथा कुछ राजनीतिक दल व नेता अपने आचरण पर पुनर्विचार नहीं कर सकते। वह यही संदेश देते रहेंगे कि हमारी राजनीति ठीक है , लोगों का समर्थन भी है लेकिन ईवीएम से हम नहीं जीत सकते। ये लोग ईवीएम को कटघरे में करता खड़ा करते रहेंगे। यह दुर्भाग्यपूर्ण और लोगों के अंदर हमारी चुनाव प्रणाली को लेकर अत्यंत ही नकारात्मक मानसिकता पैदा करने का अभियान है लेकिन हमारे आपके पास कोई चारा नहीं है। इसके अभी रुक जाने की संभावना नहीं है।

मंथन

रसोई तक पहुंचा मिलावट का जहर

बाल मुकुन्द ओझा

खाने-पीने की चीजों में हो रही मिलावट से अब मसाले भी अछूते नहीं रहे हैं। सब्जियों को स्वादिष्ट बनाने के लिए ब्रांडेड से लेकर खुदरा बिकने वाले मसाले में धड़ल्ले से मिलावट का खेल चल रहा है। आम आदमी महंगाई के साथ खाद्य पदार्थो में हो रही मिलावट खोरी से खासा परेशान रहता है। हमारे बीच यह धारणा पुख्ता बनती जा रही है कि बाजार में मिलने वाली हर चीज में कुछ न कुछ मिलावट जरूर है। लोगों की यह चिंता बेबुनियाद नहीं है। आज मिलावट का कहर सबसे ज्यादा हमारी रोजमर्रा की जरूरत की चीजों पर ही पड़ रहा है। खाने पीने के पदार्थों में मिलावट कोई नयी समस्या नहीं है। मिलावट और खराब उत्पाद बेचे जाने की खबरें आम हो चुकी हैं। साल-दर-साल इसका दायरा व्यापक होता जा रहा है। देश की दो नामी कंपनियों के मसालों में मिलावट की खबर से हर देशवासी हैरान और परेशान है। सबसे ज्यादा मिलावट मसालों में हो रही है। काली मिर्च में पपीते का बीज, लाल मिर्च में रंग वाला पाउडर और ईंट पीस कर मिला देते हैं। धनिया पाउडर में तरह तरह की मिलावट करते हैं। हल्दी में पीला रंग मिला देते हैं और जीरा में झाड़ू वाला जीरा मिला देते हैं।

हांगकांग और सिंगापुर में खाद्य नियामकों ने भारत के दो प्रमुख मसाला ब्रांड एमडीएच और एवरेस्ट के कुछ उत्पादों में कैंसर पैदा करने वाले तत्व को लाल झंडी दिखाई है और उन्हें बजार से

वापस करने के आदेश दिए हैं। इस खबर से भारतीय बाजार में सनसनी फेल गई है। सिंगापुर में मसालों पर प्रतिबंध लगने के बाद भारत सरकार ने दोनों कपनियों के मसालों की गुणवत्ता की जांच के आदेश दिए हैं। इन उत्पादों में, एमडीएच के मद्रास करी पाउडर (मद्रास करी के लिए मसाला मिश्रण), एवरेस्ट फिश करी मसाला, एमडीएच सांभर मसाला मिश्रित मसाला पाउडर और एमडीएच करी पाउडर मिश्रित मसाला पाउडर शामिल हैं। केंद्र सरकार ने देश के सभी फूड कमिशनर्स को अलर्ट कर दिया है। इसी के साथ मसालों के नमूने एकत्र करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आदेश में कहा गया है कि तीन से चार दिनों में देश की सभी मसाला निर्माता इकाइयों से नमूने एकत्र किए जाएंगे। सिर्फ एमडीएच और एवरेस्ट ही नहीं, सभी मसाला निर्माता कंपनियों से नमूने लिए जाएंगे। लैब से लगभग 20 दिनों में रिपोर्ट आएगी।

मिलावट का अर्थ है महँगी चीजों में सस्ती चीज का मिलावट। मुनाफाखोरी करने वाले लोग रातोंरात धनवान बनने का सपना देखते हैं। अपना यह सपना साकार करने के लिए वे बिना सोचे-समझे मिलावट का सहारा लेते हैं। सस्ती चीजों का मिश्रण कर सामान को मिलावटी कर महंगे दामों में बेचकर लोगों को न केवल धोखा दिया जाता है, बल्कि हमारे स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ भी किया जाता है। मिलावटी खाद्य पदार्थों के सेवन से प्रतिवर्ष हजारों लोग विभिन्न बीमारियों का शिकार होकर जीवन से हाथ धो बैठते हैं। मिलावट का धंधा हर तरफ देखने को मिल रहा है। दूध बेचने और मिलावट करने वाले से लेकर बहुराष्ट्रीय कंपनियों तक ने मिलावट के बाजार पर अपना कब्जा कर लिया है। आज मिलावट का कहर सबसे ज्यादा हमारी रोजमर्रा की जरूरत की चीजों पर ही पड़ रहा है। संपूर्ण देश में मिलावटी खाद्य-पदार्थों की भरमार हो गई है। आजकल नकली दूध, नकली घी, नकली तेल, नकली चायपत्ती आदि सब कुछ धड़ल्ले से बिक रहा है। सच तो यह है अधिक मुनाफा कमाने के लालच में नामी कंपनियों से लेकर खोमचेवालों तक ने उपभोक्ताओं के हितों को ताख पर रख दिया है। अगर कोई इन्हें खाकर बीमार पड़ जाता है तो हालत और भी खराब है, क्योंकि जीवनरक्षक दवाइयाँ भी नकली ही बिक रही हैं।

सामान्य तौर पर एक परिवार अपनी आमदनी का लगभग 60 फीसदी भाग खाद्य पदार्थों पर खर्च करता है। खाद्य अपमिश्रण से अंधापन, लकवा तथा टयूमर जैसी खतरनाक बीमारियाँ हो सकती हैं। सामान्यत रोजमर्रा जिन्दगी में उपभोग करने वाले खाद्य पदार्थों जैसे दूध, छाछ, शहद, हल्दी, मिर्च, पाउडर, धनिया, घीं, खाद्य तेल, चाय-कॉफी, मसाले, मावा, आटा आदि में मिलावट की सम्भावना अधिक है। मिलावट एक संगीन अपराध है। मिलावट पर काबू नहीं पाया गया तो यह ऐसा रोग बनता जा रहा कि समाज को ही निगल जाएगा। मिलावट के आतंक को रोकने के लिए सरकार को जन भागीदारी से सख्त कदम उठाने होंगे।

नजरिया

भौतिकवाद का परचम, अदृश्य नैतिक सिद्धांत

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 9009 415 415

यह कहावत एकदम सत्य है कि सत्य परेशान हो सकता है पराजित नहीं। यदि सत्य सच्चाई नहीं होती तो मानव जीवन नहीं होता क्योंकि प्रगति पहाड़ झरना नदिया जंगल बुक और प्रकृति द्वारा दिए गए प्रतिशत के रूप में मानव सहित सांसारिक जीव जंतु प्राकृतिक सत्य की उत्पत्ति है। यह भी सत्य है कि मनुष्य अपने लालच,स्पृहा, कामना,कपट के चलते असत्यता झूठ और फरेब का सहारा और वैशाखी लेकर त्वरित लाभ के लिए जीवन के भाव सागर में कूद पड़ता है परंतु सत्य ही अंतिम सत्य है, परंतु आज की परिस्थितियों में सच्चाई जीवन के हर पहलू से अरे होती जा रही है। आज हम स्वयं दिग्भ्रमित हैं तो आने वाली पीढ़ी को हम क्या नैतिक, संस्कारिक और सांस्कृतिक विरासत दे पाएंगे।

आज के इस उत्तर आधुनिक समाज में जहां उपभोक्तावादी संस्कृति की प्रधानता के परिपेक्ष में भौतिक साधनों एवं सुखों के लक्ष्य की प्राप्ति की एकमात्र उपाय रह गई वहां भौतिकवाद तथा शारीरिक सुख की प्राप्ति का प्रचलन पूरे समाज में फैल गया है।इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए झूठ फरेब एवं षड्यंत्र ने अपना जाल बुन रखा है। प्राचीन काल से हम आध्यात्मिक, संस्कारिक,सांस्कृतिक रूप से बढ़ रहे थे पर विकास की अवधारणा ने एक नया स्वरूप ले लिया है इन परिस्थितियों में समाज के सदस्यों ने झूठ और फरेब का सहारा लेना शुरू कर दिया है। भौतिकवाद सिर चढ़कर बोलने लगा है। व्यक्तिगत एवं सामाजिक आत्मीय संबंधों के मूल्य का तेजी से क्षरण होने लगा है। समाज के मूलभूत सिद्धांत तथा मूल्य गायब हो गए हैं। सामाजिक मूल्यों के खत्म होने की प्रक्रिया में सत्य बोलना कि एक मात्र साधन शेष रह गया है, किंतु वर्तमान समय में सच बोलना एक कठिन तप और तपस्या की तरह ही है। महात्मा गांधी के जीवन में भी उनके अध्यात्मिक दर्शन में सत्य अहिंसा मूल अवधारणा रही है उन्होंने इस सत्य को पहचाना और यह आशा प्रकट की कि यदि व्यक्तियों में सत्य के प्रति आस्था पैदा हो जाए तो सामाजिक नैतिकता का स्वर् स्वयं उच्च स्तर को प्राप्त कर सकता है और सही मायने में सत्य ही मनुष्य के आचरण की ऊंचाई मानी जाती है। सत्य और अहिंसा पर चलने के लिए संयम, मनोबल, आत्मशक्ति और ऊर्जा ही एक बड़ा विकल्प है। सत्य और अहिंसा स्वाभिमान के प्रतीक है सत्य बोलने वाला मनुष्य स्वाभिमानी होता है दूसरी तरफ असत्य आत्मग्लानि का द्योतक है। कबीर दास जी ने भी सत्य को ईश्वर मानकर कई दोहों की रचना की है।

नकारात्मक व्यवहार सामाजिक स्तर पर किया जाने वाला सबसे महत्वपूर्ण दुर्गुण है क्योंकि इसका प्रभाव पूरे समाज एवं देश पर गंभीर परिणाम देने लगता है। झूठ बोलना और सच को नेपथ्य में धकेलना एक सबसे बड़ी सामाजिक बुराई के रूप में सामने आई है। इसीलिए सामाजिक रूप से झूठ को सबसे बड़ा पाप कहा गया है पाप इस अर्थ में कहा गया है कि यह हमें दिग्भ्रमित करके वंचित कर्तव्य एवं रोजमर्रा के आत्मीय व्यवहार से वंचित रखता है और असत्य कथन को समस्त बुराइयों अपराधों की जननी माना जाता है। हम भौतिकवादी मानसिकता से इतने अधिक ग्रसित हो गए हैं की पारिवारिक सदस्यों के बीच हमारे आत्मीय संबंध लुप्त प्राय होते जा रहे हैं और ऐसे बनावटी परिवेश में व्यक्ति तथा समाज अपनी भौतिक मानसिक विलासिता तथा सफलता के दायरे में सिमट कर रह गया है। इसकी प्राप्ति के लिए व्यक्ति अत्यंत उन्मुक्त निसंकोच तरीके से असत्य का सहारा लेने से भी नहीं चूक रहा है।

भौतिक सुख साधनों की लालसा में मनुष्य में साधनों की सत्यता तथा शुद्धता फिर भी गहरा समझौता कर समाज में असामाजिक व्यवहार को अपना लिया है जिसके दूरगामी परिणाम भारतीय समाज के लिए अच्छे संकेत नहीं है। आज मनुष्य नैतिकता एवं अनैतिकता की बारीक लकीर हो पहचानने से काफी दूर हो गया है तथा भौतिक विकास के लिए किसी भी साधन को अपनाने से नहीं परहेज करता है।

मानव बुद्धि विवेक संपन्न होने के कारण भौतिक सुख सुविधाओं को प्राप्त करने के लिए हर तरह के उपायों को नए-नए हथकंडे के रूप है उपयोग करने लगा है जिससे समाज मे विसंगतियां पैदा होकर आत्मीय संबंधों की बलि चढ़ गई है। आदिकाल से ऐतिहासिक तौर पर भी मानव की सच्चरित्रता पर सवालिया निशान खड़े होते रहे हैं। समाज ने आपसी संबंधों को संचालित करने के लिए कुछ आदर्श मापदंड का प्रावधान भी रखा है जिनमें सबसे महत्वपूर्ण सावधान सत्य बोलने का है किंतु मनुष्य अपने सुख साधन बटोरने के लिए सदैव सत्य से परहेज करने लगा जिससे मनुष्य नैतिकता से काफी दूर हो गया एवं सामाजिक मान्यताओं को छिन्न-भिन्न करता आया है। आज भौतिक साधन संपन्नता समाज में सर्वोच्च शिखर पर है और समाजिक व्यक्तिगत आत्मीय संवेदनशील संबंध ताक पर रख दिए गए हैं। नैतिकता सिद्धांतों की परिपाटी नष्ट प्राय होती जा रही है। ऐसे में एक आदर्श समाज की कल्पना बेमानी हो गई है।

आज हमें सामाजिक मूल्यों को बचाने आत्मीय संबंधों की रक्षा करने के लिए सत्य तब और संयम का सहारा लेने की आवश्यकता होगी अन्यथा भारतीय समाज को पश्चिमी समाज के रूप में यहां संवेदनशीलता आत्मीयता और मानवीय संबंधों की गरिमा खत्म होने के कगार पर है अपनाने में ज्यादा समय नहीं लगेगा एवं भारतीय मूल्य संस्कार संस्कृति धीरे धीरे सनातनी समाज से दूर होते जाएंगे और हम हाथ में हाथ धरे देखते रह जाएंगे। आज नैतिकता केवल दूसरों के लिए उपदेश देने की वस्तु बन कर रह गई है। मनुष्य सामाजिक व्यवस्था का स्वयं निर्माता है किंतु नैसर्गिक रूप से लोभी,आलसी, तथा संग्रहण की प्रवृत्ति वाला हो चुका है ऐसे में कम परिश्रम में ज्यादा लाभ प्राप्त करने के लिए असत्य फरेब एवं जालसाजी का ही सहारा लेकर अनैतिकता का परचम फैलाने में लगा हुआ है। यह भारतीय परिवेश के लिए कतई शुभ संकेत नहीं है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

महिलाओं के स्वास्थ्य और कैंसर संबंधी जागरूकता के लिए जानकारी दी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। केनरा बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय बेंगलूरु पश्चिम ने आरआर ऑडिटोरियम में अपोलो अस्पताल के कोलोरेक्टल सर्जन डॉ. नरसिम्हैया श्रीनिवासैया और मल्लेश्वरम लेडीज़ एसोसिएशन एकेडमी ऑफ हायर लर्निंग के सहयोग से महिलाओं के स्वास्थ्य और कैंसर संबंधी जागरूकता के लिए कार्यक्रम 'लॉन्गेविटी: ए बून ऑर ए बेन' का आयोजन किया। कार्यक्रम में 300 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया। इस दौरान डॉ. नरसिम्हैया ने स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा कैंसर और डिम्बग्रंथि कैंसर सहित अन्य के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने सवालों के जवाब देकर शंकाओं का समाधान किया।

इसके बाद 'केनरा एंजेल' के बारे में जानकारी दी गई। बैंक द्वारा लॉन्च किए गए बचत उत्पाद में लैवेंडर, रोज़ और ऑर्किड नामक तीन प्रकार शामिल हैं। ये क्रमशः 3 लाख रुपए, 5 लाख रुपए और 10 लाख रुपए के कैंसर देखभाल स्वास्थ्य बीमा के अंतर्गत आते हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता बेंगलूरु सर्कल के महाप्रबंधक महेश एम पई ने की। सह-अध्यक्षता बेंगलूरु पश्चिम क्षेत्रीय कार्यालय की उपमहाप्रबंधक मुथुलक्ष्मी पी द्वारा की गई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मल्लेश्वरम लेडीज़ एसोसिएशन एकेडमी की मानद सचिव लक्ष्मी वी थीं।

नामांकन

हैदराबाद लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार माधवी लता कोम्पेला बुधवार को हैदराबाद में लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने जाती हुई।

ईरानी राष्ट्रपति रईसी का पाकिस्तान दौरा संपन्न, आतंकवाद से निपटने के तरीकों पर की चर्चा

इस्लामाबाद/भाषा। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने बुधवार को पाकिस्तान की अपनी तीन-दिवसीय पहली यात्रा संपन्न की। इस दौरान उन्होंने आतंकवाद से निपटने और द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को मजबूत करने के लिए सेना प्रमुख सहित देश के शीर्ष नेतृत्व के साथ 'लाभदायक बातचीत' की। आठ फरवरी के आम चुनाव के बाद किसी राष्ट्राध्यक्ष का यह पहला पाकिस्तानी दौरा था।

दोनों पक्षों ने आने वाले वर्षों में व्यापार को 10 अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाने का संकल्प लेते हुए आठ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए।

रईसी ने दोनों पड़ोसी देशों के बीच व्यापार बाधाओं को दूर करने के लिए प्रतिबद्धता जताते हुए कहा कि तेहरान पाकिस्तान के साथ उद्योग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में सहयोग करने के लिए तैयार है।

विदेश मंत्रालय के मुताबिक, यात्रा के दौरान दोनों पक्षों के बीच लाभदायक बातचीत हुई। विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी करते हुए बताया, दोनों पक्षों के बीच व्यापार, ऊर्जा और दोनों देशों के लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने सहित कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने पर सहमति बनी। रईसी सोमवार को अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ पाकिस्तान की तीन-दिवसीय आधिकारिक दौरे पर पहुंचे थे। उनकी यात्रा ऐसे समय हुई, जब तीन महीने पहले दोनों पड़ोसी देशों ने एक-दूसरे के इलाकों में कथित आतंकी ठिकानों पर हवाई हमले किए थे। उन्होंने विशेष रूप से सुरक्षा और आर्थिक मुद्दों पर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के साथ बैठक की थी।

दोनों पक्षों ने आतंकवाद के खतरे को खत्म करने पर सहमति जताई, जिसके कारण जनवरी में उनके संबंधों में दरार आ गई थी।

दोनों देशों ने फलिस्तीन के लोगों के प्रति अपना समर्थन जताया और इजराइल से गाजा पर हमला बंद करने की मांग की।

पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने मंगलवार को लाहौर में रईसी का स्वागत किया। इस दौरान वह अल्लामा मुहम्मद इकबाल की कब्र पर गए। ईरान में अल्लामा मुहम्मद इकबाल को इकबाल लाहौरी के नाम से जाना जाता है और फारसी कविता के लिए उन्हें काफी सम्मान की नजरों से देखा जाता है। रईसी और मरियम ने एक दूसरे की संस्कृति को बढ़ावा देने और लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने के प्रति प्रतिबद्धता जताई। वहीं, गवर्नर रहमान ने राष्ट्रपति और उनके प्रतिनिधिमंडल के सम्मान में दोपहर का भोज आयोजित किया।

प्रचार

रांची लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार यशस्विनी सहाय अपनी पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बुधवार को झारखंड के रांची में लोकसभा चुनाव के लिए चुनाव प्रचार के दौरान विजय चिन्ह दिखाती हुई।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत में किया है अविश्वसनीय काम : जेपी मॉर्गन

न्यूयॉर्क/भाषा। वित्तीय सेवा कंपनी जेपी मॉर्गन चेज के मुख्य कार्यपालक अधिकारी जेमी डिमन ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत में सुधारों को आगे बढ़ाकर और समावेशी कार्यक्रमों के जरिये 40 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालकर 'अविश्वसनीय' काम कर रहे हैं।

डिमन ने मंगलवार को यहां 'इकोनॉमिक क्लब ऑफ न्यूयॉर्क' के एक कार्यक्रम में मोदी सरकार के प्रदर्शन की तारीफ करते हुए कहा, मोदी ने भारत में अविश्वसनीय काम किया है... उन्होंने 40 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। उन्होंने कहा, उनके पास एक अविश्वसनीय शिक्षा प्रणाली है, अविश्वसनीय बुनियादी ढांचा है, वे पूरे देश को ऊपर उठा रहे हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि यह आदमी भी उतना ही सख्त है। मैं सोचता हूं कि बदलाव के लिए सख्त होना होगा। आप जानते हैं कि वह नौकरशाही के कुछ हिस्सों में बदलाव ला रहे हैं।

डिमन ने हाल के दिनों में मोदी द्वारा किए गए सुधारों की तारीफ करते हुए कहा, उन्होंने यह असाधारण व्यवस्था शुरू की है कि हर नागरिक को हाथ, आंख या उंगली के जरिये चिह्नित किया जाता है।

उन्होंने 70 करोड़ लोगों के लिए बैंक खाते खोले हैं। उनके भुगतान सीधे बैंक खातों में हस्तांतरित हो रहे हैं। उन्होंने पुरानी नौकरशाही ढांचों को तोड़ने के लिए मोदी को सख्त बताते हुए कहा, हमें यहां (अमेरिका में) भी इस सख्ती की थोड़ी जरूरत है।

म्यूजिक ट्रैक 'सेंटी अंखियां' में सोना महापात्रा ने मैक्सिकन आर्टिस्ट फ्रीडा काहलो के लुक को किया कॉपी

मुंबई/एजेन्सी

मैक्सिकन पेंटर फ्रीडा काहलो से प्रेरित सिंगर सोना महापात्रा और म्यूजिक कंपोजर राम संपत ने गाने 'सेंटी अखियां' में साथ में काम किया। महापात्रा ने कहा, ''मैं हमेशा लीजेंडरी मैक्सिकन आर्टिस्ट फ्रीडा काहलो की फीयरलेस स्पिरिट, आर्ट और यूनिक फैशन से प्रेरित रही हूं। मैंने एक छात्र के रूप में उनकी सभी पेंटिंग्स के पोस्टकार्ड प्रिंट को फ्रेम करके अपने हॉस्टल की दीवारों पर लगाए थे।'' अच्छा लगता है कि वह घनी भौहें रखती थी, किसी भी रंग के कपड़े बेधड़क पहनती थी। एक मैक्सिकन के रूप में अपनी जड़ों और पहचान को गर्व और आत्मविश्वास के साथ प्रदर्शित करती थी।

उन्होंने कहा कि म्यूजिक वीडियो बनाने का विचार उनके पार्टनर संपत का था, जहां मैं आइकन फ्रीडा से मिलती हूं। 'सेंटी अखियां' कंपोजिशन और म्यूजिक में एक जबरदस्त लैटिन अमेरिकी फ्लेवर है। उनकी कल्पना से प्रेरणा

लेना सही था। एक तरह से हम अपनी जड़ों के साथ-साथ सामान्य परिदृश्य में घुलने-मिलने के हमारे सामान्य प्रेम को भी दर्शाते हैं, जो कि जनता की नजर में सुंदर या ग्लैमरस माना जाता है।'' युवा कवयित्री रोशनआरा क़ुरैशी के गीतात्मक चिंतन से पैदा यह गीत, आंखों आत्मा की खिड़की होती हैं इस विषय पर प्रकाश डालता है। गाने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, गिटार, कलिंबा, हारमोनियम और परकशन का फ्यूजन गाने को एक ऑर्गेनिक लैटिन प्लस देसी स्विंग से भर देता है, जिससे एक ऐसा माहौल बनता है जो राहत देता है। मेरा मानना है कि फ्रीडा अगर आज जिंदा होती तो इस गाने पर डांस करके खुश होती।''

गर्मी

कोलकाता में बुधवार को दोपहर में चिलचिलाती धूप से बचने के लिए एक महिला स्कार्फ का इस्तेमाल करती हुई।

यश कुमार की फिल्म दिलदार सांवरिया 2 की शूटिंग शुरू

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता यश कुमार की 100वीं फिल्म दिलदार सांवरिया 2 की शूटिंग शुरू हो गयी है। फिल्म दिलदार सांवरिया 2 का भव्य मुहूर्त संपन्न हो गया है। इस फिल्म का निर्माण तन्वी मल्टीमीडिया के बैनर से किया जा रहा है और यह यश कुमार की 100वीं फिल्म है। इस फिल्म के निर्माता दीपक शाह और निर्देशक प्रमोद शास्त्री है। फिल्म दिलदार सांवरिया 2 को लेकर यश कुमार बेहद खुश और उत्साहित नजर आए।

उन्होंने कहा कि मेरी पहली फिल्म भी दिलदार सांवरिया थी जिसको दर्शकों ने खूब सराहा था। तब मैंने यह नहीं सोचा था कि एक दिन ऐसा आएगा जब हम अपनी 100 वीं फिल्म के रूप में अपनी पहली फिल्म का सीक्वल कर रहे होंगे, लेकिन यह मेरे लिए बेहद सुखद अनुभूति वाला पल है कि हम एक और अच्छी फिल्म लेकर दर्शकों के बीच आ रहे हैं जो मेरी जिंदगी के लिए सबसे महत्वपूर्ण होने वाली है। यह दर्शकों के प्यार और आशीर्वाद के बिना संभव

नहीं था। इसलिए मैं अपने दर्शकों से आग्रह करूंगा कि जब यह फिल्म भी रिलीज हो तो आप सभी इस सुपर डुपर हिट बनाएं।

निदेशक प्रमोद शास्त्री ने भी यश कुमार को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुये कहा कि मुझे अपनी 100वीं फिल्म में निर्देशन का मौका देने के लिए आभार। हम कामना करते हैं कि आप भोजपुरी सिनेमा में ऐसे ही आने वाले लंबे समय तक काम करते रहें और अभूतपूर्व कीर्तिमान स्थापित करें। और यह होगा भी यह मुझे पूर्ण विश्वास है। आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं। फिल्म दिलदार सांवरिया 2 के लेखक एसके चौहान हैं।

इस फिल्म में सपना चौहान, अवधेश मिश्रा, बालेश्वर सिंह, युगांत पांडेय, राधे मिश्रा, संजीव मिश्रा, धाम वर्मा, शिवांशी सिंह, यामिनी जोशी, जया पांडेय, ममता वर्मा, ज्योति केसर, रागिनी दुबे, सुकू चौहान और नीलू यादव मुख्य भूमिका में होंगे। म्यूजिक मुन्ना दुबे का है।

कोरियोग्राफर प्रवीण सालार है। एक्शन प्रदीप खड़का का है ईपी शैलेंद्र सिंह और डीओपी जहांगीर सैयद हैं।

'डेडपूल-3' का हिन्दी ट्रेलर जारी

मुंबई/एजेन्सी

भारत हॉलीवुड फिल्मों का चीन के बाद सबसे बड़ा बाजार माना जाता है। हॉलीवुड फिल्ममेकर अपनी फिल्मों को भारत में मुख्य तौर पर अंग्रेजी के साथ-साथ यहाँ की चार प्रसिद्ध फिल्म भाषाओं हिन्दी, तमिल, तेलुगू और मलयालम में प्रदर्शित करते हैं। स्थानीय भाषा में विदेशी फिल्मों को देखने का शौक सिने प्रेमियों में गजब का है। ऐसे में दर्शकों को लम्बे समय से हॉलीवुड फिल्म डेडपूल के तीसरे भाग का इंतजार है। इस फिल्म को डेडपूल एंड वुलवरिन के नाम से प्रदर्शित किया जाएगा। अब इसका हिंदी ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। फिल्म में दो सुपरहीरो नजर आएंगे। 'वुलवरिन' वह है जो मर नहीं सकता और जिसके हाथों से लोहे के पंजे निकल जाते हैं। पर्दे पर इस किरदार को ह्यू जैकमैन ने निभाया है। एक बार फिर जैकमैन की वापसी से लग रहा है कि फिल्म

बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई करेगी। इस बार 'वुलवरिन' को खास कॉस्ट्यूम में पेश किया गया है।

रयान रेनॉल्ड्स ने 'डेडपूल' का रोल निभाया है। जब फिल्म का अंग्रेजी ट्रेलर रिलीज हुआ था तो उसने 24 घंटे के अंदर ही दुनियाभर में सबसे ज्यादा देखे जाने वाले ट्रेलर का खिताब अपने नाम कर लिया था। हिंदी ट्रेलर पर भी फैंस के जमकर कमेंट्स आ रहे हैं और यह सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है। एक फैन ने लिखा कि यह 'वुलवरिन' का अब तक का सबसे अच्छा दिखने वाला संस्करण है। कॉस्ट्यूम और हेयर स्टाइल 10 में से 10 हैं। दूसरे ने लिखा, हिंदी ट्रेलर की वाइब ही अलग है। बता दें कि 'डेडपूल' सीरीज की दो फिल्में रिलीज हो चुकी हैं। मारवल स्टूडियोज की 'डेडपूल एंड वुलवरिन' को शॉन लेवी ने निर्देशित किया है। फिल्म में मोरेना बेचरिन, एमा कोरिन, रॉब डेलाने, लेस्ली उगम्स, करन सोन और मैथ्यू मैकफेडन के भी अहम रोल हैं। फिल्म 26 जुलाई को अंग्रेजी, हिंदी, तमिल और तेलुग में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

भंसाली ने हीरामंडी पर पानी की तरह बहाया पैसा, 700 कारीगरों ने तैयार किया सेट

मुंबई/एजेन्सी

संजय लीला भंसाली इन दिनों अपने ड्रीम प्रोजेक्ट हीरामंडी को लेकर खबरों में बने हुए हैं। 1940 के दशक की कोठा प्रथा को दिखाती ये सीरीज अगले हफ्ते प्रीमियर होने वाली है। सीरीज में अब तक की सबसे शानदार कास्ट के साथ सबसे बड़ा सेट दिखाया गया है। ये सेट जिसे बनाने में 700 कारीगरों की मेहनत और कई महीने लगे। अब इस आलीशान सेट को स्क्रीन पर देखा जा सकेगा। संजय लीला भंसाली जितनी मेहनत अपनी स्क्रिप्ट पर करते हैं उससे कई ज्यादा वक़्त वो सेट के डिज़ाइन, एक्टर्स के लुक और उनके पहनावे को तैयार करवाने लगाते हैं। उनका विजन सिर्फ स्क्रिप्ट को एक्टिंग के जरिये ऑडियंस तक पेश करना

नहीं होता। बल्कि वो पूरा सीन वैसे ही क्रिएट करने की कोशिश करते हैं जैसा उस वक्त रहा होगा। उनकी पिछली फिल्मों जैसे देवदास, बाजीराव मस्तानी, राम लीला, गंगूबाई काठियावाड़ी और पद्मावत में ग्रैंड सेट देखने को मिले हैं। लेकिन हीरामंडी के लिए डायरेक्टर ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया है। हीरामंडी के लिए डायरेक्टर ने एक ऐसा सेट बनाया था जो भुलाया नहीं जा सकता है।

हाल में दिए एक इंटरव्यू में संजय लीला भंसाली ने हीरामंडी के ग्रैंड सेट के बारे में बात की। डायरेक्टर ने कहा 'मैं हमेशा अपने काम में खो जाना चाहता था। यह अब तक का मेरा सबसे बड़ा सेट है। ऐसा लगता है कि मैं जो सोच सकता था, उससे कहीं आगे निकल गया हूं। मैं फ़िल्में बनाते हुए और ज़्यादा एजॉय कर रहा हूं और समझ रहा हूं।

मुझे बड़े सेट बनाना पसंद है, लेकिन मैं सब कुछ कंट्रोल नहीं करना चाहता। मैंने बड़ा सेट तैयार कर दिया है, लेकिन ऑडियंस वही देखेगी जो वो चाहती है। कभी-कभी लोग कहते हैं कि देखने के लिए बहुत कुछ है, और वे सीन के जरूरी हिस्सों को मिस कर देते हैं।' ऐसे में अब संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी: द डायमंड बाज़ार का इंतजार बढ़ गया है। ये सीरीज 1 मई से नेटफ्लिक्स पर देखी जा सकेगी।

साफ सुथरे व्यक्ति नहीं थे अमरसिंह चमकीला : इम्तियाज अली

मुंबई/एजेन्सी

इम्तियाज अली इन दिनों अपनी फिल्म अमर सिंह चमकीला के कारण खासी सुर्खियाँ बटोर रहे हैं। दर्शकों को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर आई फिल्म 'अमरसिंह चमकीला' काफी पसंद आ रही है। वे इसकी तारीफ कर रहे हैं और इसी बीच इम्तियाज ने इस फिल्म को बनाने के पीछे का कारण बताया है। इम्तियाज ने बताया कि वह दिवंगत गायक अमरसिंह चमकीला की गलतियों को हाइलाइट करते हुए लोगों को उनकी खूबियों के बारे में बताना चाहते थे।

इम्तियाज अली ने मिड-डे को दिए इंटरव्यू में कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं बायोपिक बनाऊंगा। हालांकि, चमकीला की कहानी में,

ऐसी कई सारी चीजें थीं जिनके बारे में मुझे लगा कि मुझे लोगों को बताना चाहिए क्योंकि वे दर्शकों से छिपाई गई हैं। हालांकि, किसी के जीवन पर बायोपिक बनाते समय, आपके पास तथ्यों को बदलने की नहीं, बल्कि उनके सभी पहलुओं को दिखाने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। यदि आप उनकी गलतियों को नहीं दिखाएंगे तो फिर उनका महिमामंडन करने का क्या मतलब? मुझे वो वाली बायोपिक्स बिल्कुल पसंद नहीं आती हैं जिसमें सामने वाले व्यक्ति की सिर्फ अच्छी-अच्छी बातें बताई जाएं।

इम्तियाज ने आगे कहा, मेरा मक्सद अमरसिंह चमकीला की साफ-सुथरी इमेज बनाना नहीं था क्योंकि वह साफ सुथरे व्यक्ति थे भी नहीं। लेकिन, मुझे उनकी कुछ खूबियों पर पूरा भरोसा था। आप उनका कोई भी वीडियो उठाकर देख लीजिए। वह एक स्टार के रूप में नहीं बल्कि जनता के सेवक के रूप में स्टेज पर आते थे। वह बेहद विनम्र व्यक्ति थे। उन्होंने कभी नखरे नहीं दिखाए। वह हमेशा हर बात के लिए सहमत हो जाते थे और इसी वजह से उन्होंने अपनी जान गंवा दी क्योंकि वह दर्शकों को ना नहीं कह सके। वह उस तरह के व्यक्ति थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | गुरुवार | 25-04-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

श्री हनुमान सेवा समिति द्वारा हर वर्ष की भांति हनुमानजी के प्राकट्य दिवस पर मंगलवार को गोड़वाड़ भवन में हनुमान जन्मोत्सव का आयोजन भव्यता से किया गया। इस अवसर पर सभागार के सुसज्जित हॉल में प्रभु श्रीराम के दरबार के साथ हनुमानजी महाराज की भी सुंदर झांकी सजाई गई।

हनुमान जन्मोत्सव पर झूमे सालासर बालाजी के भक्तगण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बन्नरघट्टा रोड स्थित श्री सालासर बालाजी सेवा समिति के तत्वावधान में निर्माणाधीन सालासर बालाजी मंदिर प्रांगण पर हनुमान जन्मोत्सव मनाया गया। सबसे पहले संजय शाह ने परिवार सहित सालासर बालाजी महाराज का विधिवत पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। पंडित मुरारी दाधीच ने संगीतमय सुंदरकांड का पाठ किया। भजन संध्या में सूरत से आए गायक किशन शर्मा व राजगढ़ से आए गायक उपेन्द्र पांडिया ने 'लाड लडावा गणपति ने प्रथम मनावा ...., गुरुदेव शरण में हूँ, मने थारो भरोसो है भारी ..., बाबा सालासर छोड़कर म्हारे आंगण आया है, स्वागत करो भक्ति भाव स्यू .....,' भजन गाएं। गायक कलाकारों का समिति के अध्यक्ष प्रमोद मुरारका, संजय शाह, उपाध्यक्ष सतीश मित्तल ने भजन गायकों का सम्मान किया। महोत्सव में बड़ी संख्या में भक्तो ने कतारबद्ध होकर बाबा की अखण्ड ज्योत के दर्शन किए। इस अवसर पर सचिव मनित सोमानी, कोषाध्यक्ष विक्रम अग्रवाल, रतनकुमार कंदोई, महेश गोयल, सुरेंद्रलाल गोयल आदि अनेक ट्रस्टी व सदस्यों ने परिवार सहित हाजरी लगाई ।

पूनम मेले में उमड़े श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अरसीकेरे। नवपद ओली के समापन दिवस चैत्र पूनम पर दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ अरसीकेरे में पूनम मेले का आयोजन किया गया। चिकमगलूरु निवासी मंजुदेवी लालचंद भंसाली परिवार ने मेले का संपूर्ण लाभ लेकर संघ का आयोजन किया।

प्रात: भक्तांबर पाठ के पश्चात पार्श्व इक्तिसा गुरु एवं भैरव चालीसा का पाठ हुआ। विधिकारक जिग्नेश गुरु ने पार्श्व भैरव महापूजन पढ़ाई तो भजन गायक दिलखुश बाफणा, रिंकु बाफणा एवं हेमा कोठारी ने भजनों की प्रस्तुति दी। लाथार्थियों द्वारा छप्पनभोग, 108 श्रीफल, पुष्प अर्पण कर तेल चढाया गया।

शिलान्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हुब्बल्ली में निर्माणाधीन नूतन राजेंद्र भवन का शिलान्यास बुधवार को साध्वीश्री आत्मदर्शनाश्रीजी की निश्रा में लाभार्थी बादामीबाई कुंदनमल परिवार द्वारा सम्पन्न हुआ। विधिकारक विक्रम गुरु विधि विधान करवाया। संघ द्वारा सभी लाभार्थियों का सम्मान किया गया।

आतंकवादियों की तरफ से प्रौद्योगिकियों के दुरुपयोग को रोकने के लिए सहयोग जारी रखेगा भारत : डोभाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मास्को/भाषा। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने बुधवार को कहा कि भारत आतंकवादियों और अपराधियों द्वारा सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों के दुरुपयोग को रोकने के लिए सहयोग जारी रखेगा। उन्होंने सूचना सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक खुले, स्थिर, सुरक्षित, विश्वसनीय और समावेशी ढांचे के वास्ते अंतरराष्ट्रीय सहयोग का आह्वान किया।

रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में 'एनश्योरिंग इन्फॉर्मेशन सिक्योरिटी इन द पॉलीसेंट्रिक वर्ल्ड' विषय पर पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए डोभाल ने समावेशी आर्थिक विकास के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल की भारत की नीति को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारत आतंकवादियों और अपराधियों द्वारा सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकियों के दुरुपयोग तथा आतंकवाद के वित्तपोषण को रोकने के लिए सहयोग जारी रखेगा।

सुरक्षा मामलों के लिए जिम्मेदार उच्चस्तरीय अधिकारियों की 12वीं अंतरराष्ट्रीय बैठक में भाग लेते हुए डोभाल ने कहा कि इस तरह के सहयोग की रूपरेखा में महत्वपूर्ण मुद्दों पर आम समझ विकसित करने में मदद के लिए सरकारों से लेकर निजी क्षेत्र, शिक्षा जगत, तकनीकी समुदायों और सिविल सोसायटी तक सभी हितधारक और नियमित संस्थागत संवाद शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण, शिक्षा, जागरूकता कार्यक्रमों और उभरती प्रौद्योगिकियों के लिए सुरक्षा मानकों के विकास के माध्यम से समान विचारधारा वाले देशों की क्षमता निर्माण और घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग के लिए तंत्र का निर्माण भी ऐसे सहयोग का हिस्सा होना चाहिए।

राम दरबार की सजी झांकी

सुन्दरकांड पाठ करते हुए हरिकिशन सारड़ा टीम

सपत्नीक पूजा करते हुए अंकित मंत्री

भजन गायक मुम्बई के मनीष भट्ट

भजनों का आनंद लेते हुए श्रद्धालुगण

अग्रणी समाजसेवी कुमारपाल सिसोदिया का सम्मान

बाबा की कृपा जिस पर हो जाए, वो मौज उड़ाए, मौज उड़ाए...

गोड़वाड़ भवन में आयोजित हनुमान जन्मोत्सव में भजनों में भाव मग्न हुए श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्री हनुमान सेवा समिति द्वारा हर वर्ष की भांति हनुमानजी के प्राकट्य दिवस पर मंगलवार को गोड़वाड़ भवन में हनुमान जन्मोत्सव का आयोजन भव्यता से किया गया। इस अवसर पर सभागार के सुसज्जित हॉल में प्रभु श्रीराम के दरबार के साथ हनुमानजी महाराज की भी सुंदर झांकी सजाई गई। दोपहर में समिति के सदस्य ओमप्रकाश मंत्री के पुत्र अंकित मंत्री ने सपत्नीक भगवान श्रीराम व हनुमानजी की पूजा अर्चना की और हनुमानजी महाराज की ज्योति प्रज्वलित की गई। तत्पश्चात शहर के जाने-माने गायक हरिकिशन सारड़ा और उनकी जसवंतगढ नागरिक परिषद की टीम द्वारा संगीतमय सुंदरकांड पाठ का वाचन किया गया। सुंदरकांड पाठ में बड़ी संख्या में भक्तों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई तथा हरिकिशन सारड़ा ने अपनी चिर परिचित संगीतमय शैली में भजनों के साथ सुन्दरकांड की प्रस्तुति देते हुए पूरे सभागार को हनुमानमय बना दिया। प्रस्तुति को खूब सराहा गया। समिति की ओर से उनका सम्मान किया गया।

भजनों की धुन पर झूमे राम व हनुमान भक्त

शाम को 6 बजे सभा में स्थानीय भजन गायकों ने गणेश वंदना के साथ भजन संध्या की शुरुआत की। तत्पश्चात मुम्बई से आए सुप्रसिद्ध भजन गायक मनीष भट्ट ने सबसे पहले गणेश वंदना और गुरु वंदना की। समिति के सदस्य रेवन्तमल झंवर व सज्जनराज शर्मा ने भजन गायक मनीष भट्ट का सम्मान किया। मनीष भट्ट ने श्रीराम धुन से भजनों की शुरुआत करते हुए वीर बजरंगी के जयघोष लगवाए। उन्होंने जब .. 'बाबा की कृपा जिस पर हो जाए, वो मौज उड़ाए, मौज उड़ाए..., मेरी झोपड़ी के भाग्य आज खुल जाएंगे, राम आएंगे... और उठे तो बोले, बैठे तो बोले राम, श्रीराम भक्त हनुमान बोले राम राम राम...' भजनों की प्रस्तुति दी तो हर कोई भक्त अपने आपको भक्ति के रस में झूमने से रोक नहीं सका।

श्रद्धालुओं ने गायन में भजन गायक का भरपूर साथ दिया। वे लोग खुद गायक के साथ गाने लगे। किसी ने नाचकर तो किसी ने ताली बजाकर प्रभु हनुमान के चरणों में अपनी हाजरी लगाई। करीब 10 बजे तक भजन गायकों ने हनुमानजी के भजनों के साथ बालाजी महाराज आदि के भजनों की प्रस्तुति दी।

भजन गायकों का किया गया सम्मान

इस अवसर पर समिति के सदस्य मदन माहेश्वरी, रामेश्वरलाल भूतड़ा, एल.एन. डागा, प्रवीण रूंगटा, संदीप अग्रवाल, श्रीकांत पाराशर, सुशील टिबड़ेवाल, रेवंतमल झँवर, सुरेशकुमार जैन, ओमप्रकाश मंत्री, सज्जनराज शर्मा, विनय टिबड़ेवाल, पवन रूंगटा, टी.सी. गोयल, कमलेश डीडवानिया सहित सभी सदस्यों का हनुमान जन्मोत्सव में विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम के दौरान दोनों भजन गायकों का समिति के सदस्यों ने सम्मान किया। इस अवसर पर जैन समाज के वरिष्ठ समाजसेवी कुमारपाल सिसोदिया ने भी हनुमानजी का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा समिति के रामेश्वरलाल भूतड़ा व ओमप्रकाश मंत्री ने उन्हें माल्यार्पण कर एवं शॉल ओढ़ा कर सम्मान किया। अंत में महाआरती का आयोजन हुआ तथा महाप्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम की समाप्ति पर मदन माहेश्वरी ने सभी सहयोगियों को धन्यवाद दिया।

हनुमान सेवा समिति के सदस्यगण मुख्य गायक मनीष भट्ट के साथ।

भारत, जापान ने निरस्त्रीकरण, अप्रसार के क्षेत्रों से संबंधित घटनाक्रमों पर चर्चा की

नई दिल्ली/भाषा। भारत और जापान के शीर्ष अधिकारियों ने बुधवार को परमाणु, रासायनिक और जैविक हथियारों से संबंधित निरस्त्रीकरण और अप्रसार के क्षेत्रों से संबंधित घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि निरस्त्रीकरण, अप्रसार और निर्यात नियंत्रण पर भारत-जापान परामर्श का 10वां दौर टोक्यो में आयोजित किया गया।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा, दोनों पक्षों ने परमाणु, रासायनिक और जैविक मामलों, बाह्य अंतरिक्ष सुरक्षा, अप्रसार मुद्दों, पारंपरिक हथियारों और निर्यात नियंत्रण से संबंधित निरस्त्रीकरण और अप्रसार के क्षेत्रों से संबंधित घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

इसमें कहा गया कि भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्रालय की संयुक्त सचिव (निरस्त्रीकरण और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मामले) मुआंपुई सैयावी ने किया, जबकि जापान के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व निरस्त्रीकरण, अप्रसार और विज्ञान विभाग के महानिदेशक कात्सुरो कितागावा ने किया।

ऑस्ट्रेलिया में हिंसक चरमपंथी विचारधारा को मानने के आरोप में सात किशोर गिरफ्तार

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने पूरे सिडनी में छापेमारी कर हिंसक चरमपंथी विचारधारा को मानने के आरोप में सात किशोरों को बुधवार को गिरफ्तार किया।

अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि 15 से 17 वर्ष की उम्र के ये सात लोग उस नेटवर्क का हिस्सा थे, जिसमें 15 अप्रैल को सिडनी के एक चर्च में बिशप को चाकू मारकर हमला करने का आरोपी 16 वर्षीय एक लड़का भी शामिल था। संयुक्त आतंकवाद-रोधी टीम ने बुधवार देर रात तक पांच अन्य किशोरों से पूछताछ की थी। न्यू साउथ वेल्स पुलिस उपायुक्त डेविड हडसन ने कहा कि 400 से अधिक पुलिस अधिकारियों ने दक्षिण-पश्चिम सिडनी में 13 तलाशी वारंट पर कार्रवाई की क्योंकि संदिग्धों को एक बड़ा खतरा माना गया था।

हडसन ने पत्रकारों से कहा, हम गिरफ्तार लोगों पर यह आरोप लगाएंगे कि ये हिंसक चरमपंथी विचारधारा को मानते थे।

प्रदर्शन

नई दिल्ली में तमिलनाडु के किसानों ने फसल की कीमतों और नदियों को जोड़ने के संबंध में अपनी चिंताओं को उठाने के लिए बुधवार को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया।

इमरान की पार्टी ने पाकिस्तान की शक्तिशाली सेना के साथ गुप्त बातचीत की बात से इनकार किया

इस्लामाबाद/भाषा। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान-नीत पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने देश की शक्तिशाली सेना के साथ गुप्त बातचीत की किसी भी अफवाह का खंडन करते हुए कहा कि पार्टी को किसी संस्था के साथ बातचीत में कोई दिलचस्पी नहीं है।

पीटीआई प्रमुख बैरिस्टर गौहर खान ने रावलपिंडी में अडियाला जेल के बाहर संवाददाताओं से कहा, आज, मैंने पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष इमरान खान से पूछा कि क्या कुछ संस्थानों ने उनसे बातचीत के लिए संपर्क किया है। इमरान खान ने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी ने उनसे संपर्क नहीं किया है। गौहर खान के हवाले से डॉन समाचार पत्र की एक खबर के अनुसार, उन्होंने कहा कि किसी ने भी बातचीत के लिए उनसे संपर्क नहीं किया है और न ही उन्हें किसी से बातचीत के लिए कोई संदेश मिला है।इससे पहले मीडिया के एक तबके में खबर आयी थी कि इमरान ने खुलासा किया है कि उनकी पार्टी के कुछ नेता अब भी प्रतिष्ठान (सेना) के संपर्क में हैं। उसके कुछ दिनों बाद गौहर खान ने यह स्पष्टीकरण दिया है। उन्होंने कहा, अन्य पार्टी के नेतृत्व का भी यही हाल है। गौहर खान ने स्पष्ट किया कि पीटीआई की जब भी संवाद में रुचि होगी, तो यह खुले तौर पर आयोजित होगी और मीडिया को इसकी जानकारी दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि पीटीआई किसी भी ऐसी पार्टी के साथ गठबंधन नहीं करेगी जिसने उसका 'जनादेश' चुराया है, हालांकि पार्टी पाकिस्तान के लोगों के अधिकारों के लिए अपने प्रयास और संघर्ष जारी रखेगी।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com